RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार , 25 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 125 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पेपर लीक पर सरकार का बड़ा एक्शन, कानून होगा और सख्त, दंड होगा कठोर

पेपर लीक: 6 माह में सजा, 10 साल जेल और एक करोड़ तक जुर्माना, प्रधानमंत्री ने आधी रात को सोशल मीडिया पर जारी किया था बयान

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार पेपर लीक और सरकारी परीक्षाओं में नकल रोकने वाले कानून में बदलाव करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का प्रावधान किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित बदलाव में दोषियों की जेल की सजा भी बढ़ाई जा सकती है। अभी अधिकतम 10 साल की सजा का प्रावधान है।

किस कानून में किए जाएंगे बदलाव: प्रस्तावित विधेयक पर शुक्रवार दोपहर केंद्रीय मंत्रिमंडल में चर्चा की जाएगी। पेपर लीक रोकने के लिए बनाए गए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में यूपीएससी, एसएससी और एनटीए जैसी सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और संगठित गड़बड़ी रोकने का प्रावधान है। इस कानून में दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है।

सरकार क्यों ला रही है नया विधेयक: नया विधेयक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार देर रात की घोषणा के अनुरूप है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि केंद्रीय मंत्रिमंडल शुक्रवार को नकल रोकने वाले कानून को और मजबूत बनाने वाले विधेयक पर चर्चा करेगा और दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया जाएगा।

संसद में कब पेश होगा नया विधेयक: प्रधानमंत्री ने आधी रात को सोशल मीडिया पर जारी अपने वीडियो संदेश में कहा था कि चर्चा के आधार पर सोमवार को संसद के मौजूदा सत्र के दूसरे सप्ताह की शुरूआत में विधेयक पेश किया जाएगा और सरकार इसे जल्द से जल्द पारित कराने की कोशिश करेगी।

सरकार पेपर लीक से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रही

विपक्ष की प्रमुख मांगें

नीट विवाद को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है। विपक्ष की प्रमुख मांगें हैं-

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय की जाए।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे पर सरकार से जवाब लिया जाए।

मंत्रिमंडल में किन मुद्दों पर होगी चर्चा: मोदी ने कहा, फास्ट ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा के मुद्दे पर कल मंत्रिमंडल में चर्चा होगी और चर्चा के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले ढाई महीने से मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रही है।

सरकार ने क्या कदम उठाए: प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक सरकार का मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर रहा है कि छात्रों का एक साल खराब न हो। इसके लिए सरकार ने पूरी ताकत लगाकर 22 लाख छात्रों की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला किया और इसके नतीजे भी जारी कर दिए गए। प्रधानमंत्री का यह वीडियो संदेश उस समय आया, जब सरकार ने नीट पेपर लीक को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा सचिव को बदल दिया था। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो दिनों से प्रधानमंत्री कार्यालय नीट परीक्षा, दोबारा परीक्षा और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में सुधार के लिए बनाई गई के. राधाकृष्णन समिति को लेकर शिक्षा मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में है।

सार्वजनिक स्थानों पर निजता की मांग हास्यास्पद है: केंद्र

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर कॉकरोच पार्टी की ओर से जारी प्रदर्शन में जुटे प्रदर्शनकारियों का लगातार पुलिस कैमरे से निगरानी का बचाव करते हुए केंद्र सरकार ने कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर निजता की मांग हास्यास्पद है। दिल्ली उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि निजता के अधिकार सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के दौरान भी है। जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष आइशी घोष की याचिका पर आज दिल्ली उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की आंशिक दलीलें सुनी। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले पर अगली सुनवाई 27 जुलाई को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नंदिता राव ने सुप्रीम कोर्ट के केएस पुट्टस्वामी के निजता के अधिकार के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि निजता के अधिकार का दायरा किसी सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शन के स्थल तक है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकार पर रोक लगाई जा सकती है, लेकिन किसी भी रोक को कानूनी मान्यता, सरकार का

प्रधान के इस्तीफे की मांग से ध्यान भटकाने के लिए सरकार नया कानून ला रही : आप

आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्र सरकार की ओर से नया कानून लाने और उस पर संसद में चर्चा कराने की मंशा पर सवाल उठाते हुए इसे छात्रों के आंदोलन से देश का ध्यान भटकाने की कोशिश बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को दबाने के लिए नया मुद्दा खड़ा करना चाहती है। सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि देश में किसी ने नए कानून की मांग नहीं की है। छात्रों की केवल एक मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। ऐसे में सरकार अचानक नया कानून लाने और उस पर संसद में चर्चा कराने की बात क्यों कर रही है, यह सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में कानून लाना चाहती है तो वह अध्यादेश के माध्यम से भी ऐसा कर सकती है। पहले भी केंद्र सरकार कई महत्वपूर्ण कानून बिना व्यापक चर्चा के लेकर आई है।

पेपर लीक पर प्रधानमंत्री का बयान देर से आया, छात्रों का सरकार से भरोसा उठ चुका : जयराम

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में दो महीने तक चुप रहने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि भारी जनाक्रोश के बाद सरकार को आखिरकार प्रश्नपत्र लीक की सच्चाई स्वीकार करनी पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने लगातार छात्रों के हितों से ऊपर अपने राजनीतिक हितों को रखा, कमजोर जांच कराई और जवाबदेही से बचती रही। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने, छात्रों पर हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और छात्रों से माफी मांगने की मांग की। जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री ने लगभग दो महीने की चुप्पी के बाद देर रात वीडियो संदेश जारी कर प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि सरकार लंबे समय तक यह मानने से इनकार करती रही कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हुआ था। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी प्रेसवार्ता में जानबूझकर लीक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया और शिक्षा मंत्रालय ने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति के समक्ष भी आधिकारिक रूप से कहा कि कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

आयुष्मान कार्ड निर्माण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा

सीएचसी स्योहारा में समीक्षा बैठक, सभी सीएचओ को शत-प्रतिशत पात्रों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, स्योहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में शुक्रवार को उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ओर आयुष्मान भारत योजना नोडल अधिकारी जनपद बिजनौर डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सभी 19 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ओर समस्त 9 संगिनी मौजूद रही।

बैठक के दौरान डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड हर हाल में बनाया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी सीएचओ को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर संपर्क कर पात्र लोगों का

चिन्हांकन करें तथा समयबद्ध अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्ड निर्माण में आ रही समस्याओं का तत्काल समाधान कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, लक्ष्य पूर्ति एवं पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई ।मीटिंग में अनुस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कारवाही के दिए निर्देश।

2हफ्ते का समय दिया गया कि शत प्रतिशत कार्ड बनवाए अन्यथा कारवाही की जाएगी। इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ 0बी 0के0 स्नेही ने बताया कि स्योहारा ब्लॉक में 29768 कार्ड बनाना शेष रह गए है। स्योहारा में 82258 आयुष्मान कार्ड लाभार्थी के सापेक्ष 51926 कार्ड बनाए जा चुके है जो कुल लाभार्थी का 63 प्रतिशत है।इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ बी 0के स्नेही, डॉ0 खालिद अख्तर, डॉ मीनाक्षी सिसोदिया,ए आर ओ आलोक कुमार, हैल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, बीपीएम शालिनी विश्नोई, डब्ल्यू एच ओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, डाटा ऑपरेटर अनम राशि फार्मासिस्ट प्रदीप रावत योगेश कुमार हरीश कुमार, जितेंद्र रावत के अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

संदीपन घाट व महेवाघाट पुलिस ने एक-एक वारंटी पकड़े

स्वाती मिश्रा
सबसे पहले तो

कौशांबी। कप्तान सत्यनारायण प्रजापत के निर्देश पर थाना संदीपन घाट और महेवा घाट पुलिस ने एक-एक वारंटी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया।

थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त मोनू उर्फ अवधनारायण पुत्र रामबली निवीसी अहिरन का पुरवा थाना महेवाघाट को गिरफ्तार किया।

थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त जुगराज सिंह पुत्र स्व0 मानिकलाल निवासी ग्राम पथरहा थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

एसएसपी ने परेड की सलामी ली गई तथा निरीक्षण कर दिए निर्देश

सबसे पहले तो

बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई एवं परेड का निरीक्षण कर कर्मचारियों का टर्न आउट चैक किया गया एवं शस्त्रों को खोलना, अग्निशामक यंत्र प्रयोग करना आदि कवायत करायी गयी । परेड में सम्मिलित थानों की गाड़ियों एवं पीआरवी/डायल-112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर नाइट चैकिंग रजिस्टर चेक किया गया तथा पीआरवी गाड़ी पर मेडिकल किट, रेस्पांस टाइम को कम करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आदेश कक्ष में संबंधित को दिशा-निर्देश दिये गये तथा पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर प्रतिसार निरीक्षक को पुलिस लाइन परिसर में हमेशा स्वच्छता रखने, सरकारी संपत्ति की देखभाल करने सहित सरकारी वाहनों की समय-समय पर मेंटेनेंस/चैकिंग करने आदि आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय मौजूद रहे।

बिंदकी पुलिस ने तमंचा कारतूस के साथ युवक को पकड़ा

सबसे पहले तो

फतेहपुर। 21 जुलाई को सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त एक वीडियो के संबंध में उ0नि0 नीरज कुमार मौर्य द्वारा थाना बिन्दकी पर तहरीरी सूचना दी गई कि एक युवक अवैध तमंचा लहराते हुए डांस करता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे आमजन में भय एवं आतंक का वातावरण उत्पन्न हो रहा है। जानकारी करने पर उक्त युवक की पहचान अभय द्विवेदी पुत्र ज्ञानेश कुमार द्विवेदी निवासी ग्राम दरबेशपुर (मिलकिनखेडा), थाना बिन्दकी, जनपद फतेहपुर के रूप में हुई। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बिन्दकी पर मुकदमा आर्म्स एक्ट, पंजीकृत किया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी बिन्दकी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बिन्दकी पुलिस द्वारा शुक्रवार को उपरोक्त मुकदमें में वांछित अभियुक्त अभय द्विवेदी पुत्र ज्ञानेश कुमार द्विवेदी निवासी ग्राम दरबेशपुर (मिलकिनखेडा) थाना बिन्दकी जनपद फतेहपुर उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

डीएम ने ग्राम चौपाल लगाकर, सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज ह्लगॉव की समस्या,गॉव में समाधानह्ल के अन्तर्गत विकास खण्ड मूरतगंज की ग्राम-अरई सुमेरपुर में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की

जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को ग्राम में स्थित विद्यालय का निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत 58 परिवारों को चिन्हित किया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 141 लोगों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है एवं परिवार रजिस्टर से मिलन के उपरांत और 47 पात्र लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें शीघ्र लाभान्वित किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 35 लाभार्थियों को निराश्रित महिला पेंशन का लाभ मिल रहा है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 13 दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ मिल रहा है।

ग्राम चौपाल में समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, कब्जे से एक बैट्री बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी खागा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना किशनपुर पुलिस द्वारा शुक्रवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम सरौली से अभियुक्त जयकरन सिंह पुत्र श्रीराम सिंह निवासी ग्राम बिलारीमऊ थाना असोथर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 25 वर्ष से सम्बन्धित को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद चोरी की बैट्री बरामद हुई।

सर्प के काटने से युवक की मौत समय रहते नहीं मिल सका इलाज

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल पुलिस चौकी अंतर्गत वार्ड न0- 2 नईम मिया का पूरा चायल निवासी लल्लू उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र रोशन चायल स्थित कान्हा गौशाला के पास सूअर बाड़े में सो रहा था। शुक्रवार की सुबह सर्प के काटने से उसकी मौत हो गई। सर्पदंस के बाद लल्लू की नींद खुल गई और आनन-फानन में वह घर पहुंचकर इस बात की जानकारी परिजनों को दी। परिजन दवा इलाज के बजाए झाड़-फूक और अंध विश्वास का सहारा लेते रहे लेकिन समय बीतने के साथ ही युवक की हालत नाजुक देखकर इलाज हेतु परिजन जिला अस्पताल ले गए वहां पहुँचने के बाद डाक्टरों ने युवक की हालत बेहद नाजुक होने पर प्रयागराज स्वरुप रानी अस्पताल के लिए रेफर कर दिए जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। युवक की मौत से घर परिवार में कोहराम मचा हुआ है। चायल चौकी पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेल लाइन पर दो टुकड़ों में युवक का मिला शव, हत्या की आंशका

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के रसूलपुर गिरसा के पास से गुजरी डीएफसी हावड़ा दिल्ली रेल लाइन पर शुक्रवार की सुबह एक युवक का दो टुकड़े में कटा हुआ शव मिला है युवक हरियाणा के एक ढाबा में मजदूरी करता था और वह हरियाणा से वापस घर लौट रहा था इस बात की जानकारी उसने परिवार के लोगों को फोन पर बताया था लेकिन युवक घर नहीं पहुंच सका और उसकी लाश डीएफसी रेल लाइन पर पहुंच गई है जबकि इस लाइन से सवारी गाड़ी नहीं गुजरती है जिससे युवक के ट्रेन से उतरने के समय रेलवे लाइन पर गिर जाने की संभावना ही खड़ी नहीं होती है फिर युवक की लाश रेलवे लाइन पर कैसे पहुंची है क्या किसी ने उसकी हत्या करके लाश को ठिकाने लगाया है यह बड़ी जांच का विषय बन गया है शुक्रवार की सुबह डीएफसी रेल लाइन पर युवक का शव दो टुकड़े में पड़े होने की जानकारी पर लोगों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है की जमीन से 25 फीट ऊपर डीएफसी रेल लाइन तक एक युवक का शव एक व्यक्ति लेकर नहीं जा सकता है घटना को अंजाम देने में कई लोगों का समूह शामिल था।

जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के रसूलपुर गिरसा गांव नगर पालिका के वार्ड नंबर 5 गिरधारी लाल मेहता नगर निवासी शिवकुमार उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र भैया लाल हरियाणा के ढाबा में मजदूरी करते थे और वह हरियाणा से वापस ट्रेन से घर लौट रहे थे अपनी माता को उन्होंने फोन कर-के घर वापस लौटने की जानकारी दी थी लेकिन घर वापस नहीं पहुंच सके शुक्रवार को सुबह परसारा चौराहे के पास से सड़क से 25 फीट ऊपर गुजरी डीएफसी रेल लाइन में किसी युवक के शव मिलने की जानकारी होते ही घटनास्थल पर सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई युवक का भाई राजकुमार भी मौके पर पहुंच गया शव दो टुकड़े में पड़ा हुआ था सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन एक सवाल खड़ा हो गया है कि डीएफसी रेल लाइन से सवारी गाड़ी नहीं गुजरती है तो फिर ट्रेन यात्री सवारी गाड़ी से डीएफसी रेल लाइन पर नहीं गिरा है 25 फीट ऊपर तक जिंदा या मुर्दा किसी युवक को ले जाना एक व्यक्ति विशेष द्वारा संभव नहीं दिखाई पड़ रहा है इसके लिए व्यक्तियों का समूह शामिल रहा है और यहां तक युवक को जिंदा या मुर्दा लेकर जाने वाले लोग कौन थे

वाहन चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

धूमनगंज पुलिस व एसओजी की संयुक्त कार्रवाई, नेहरू पार्क के पास दबोचे गए आरोपी

हनुमान प्रसाद शुक्ल
प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस और एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। कार्रवाई शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर नेहरू पार्क के पास की गई।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शनि पासी, मोहम्मद फैज, पवन कुमार सिंह और शिवांस यादव के रूप में हुई है। इनके कब्जे से एक हीरो सुपर स्प्लेंडर और एक टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर धूमनगंज थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले से भी वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। सभी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया गया।

दहेज हत्या के आरोपित पति को पुलिस ने दबोचा

धूमनगंज पुलिस ने सुबेदारगंज रेलवे डाट पुल के पास से की गिरफ्तारी

प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित पति को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कालिंदीपुरम निवासी शिवम चौरसिया को सुबेदारगंज रेलवे डाट पुल के पास से दबोचा।

पुलिस के अनुसार, शिवम चौरसिया के खिलाफ धूमनगंज थाने में दहेज हत्या और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय भेज दिया गया।

18 लाख की स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी प्रयागराज । डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर थाना झूंसी पुलिस द्वारा नारकोटिक्स टास्क फोर्स अपराध शाखा के सहयोग से शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अमर सोनकर उर्फ बाबा पुत्र दीपचन्द्र सोनकर निवासी ग्राम नारायण दास का पुरा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज को त्रिवेणीपुरम ग्राउण्ड थाना क्षेत्र झूंसी से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से 91 ग्राम स्मैक (अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 18 लाख 20 हजार रुपये) व स्मैक बिक्री से प्राप्त के 2220/- रुपये नकद बरामद किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

जन्मेजय कुमार, चौकी प्रभारी चमनगंज. सचिन तंवर चौकी प्रभारी छतनाग, थाना झूंसी कमिश्नरेट प्रयागराज ।

परास्नातक के द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित

मुरादबाद। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो गिरीश दूबे ने बताया कि विश्वविद्यालय ने परीक्षा प्रशासन में एक बार पुनः कीर्तिमान स्थापित करते हुए शुक्रवार रात्रि में अपने सभी सात परिसर परास्नातक (पी.जी.) कार्यक्रमों का द्वितीय सेमेस्टर परीक्षाफल अन्तिम परीक्षा के मात्र एक दिन के भीतर घोषित कर दिया है। द्वितीय सेमेस्टर की अन्तिम परीक्षा (रसायन विज्ञान) 23 जुलाई को सम्पन्न हुई तथा शुक्रवार को सम्पूर्ण परीक्षाफल घोषित कर दिया गया। परीक्षा में विद्यार्थियों ने अत्यन्त उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

रसायन विज्ञान की छात्रा छवि द्विवेदी 9.8 एसजीपीए अर्जित कर अब तक की समग्र टॉपर रही हैं। कुल 97.2 प्रतिशत विद्यार्थी द्वितीय वर्ष में प्रोन्नत हुए हैं, जो विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित कक्षाओं एवं सतत मूल्यांकन प्रणाली का प्रतिफल है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी ने समस्त विद्यार्थियों, विशेष रूप से टॉपर छवि द्विवेदी, को बधाई देते हुए कहा कि परीक्षा के अगले ही दिन परिणाम घोषित करना विद्यार्थियों के प्रति विश्वविद्यालय की जवाबदेही एवं पारदर्शिता का प्रमाण है। हमारे विद्यार्थियों की मेधा और उद्योग जगत का उनके प्रति बढ़ता विश्वास विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने समस्त शिक्षकों को समयबद्ध, त्रुटिरहित परीक्षाफल के लिए साधुवाद दिया।

डीएम ने राजस्व कार्यों एवं आईजीआरएस की समीक्षा की

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा शुक्रवार को संगम सभागार में अपर जिलाधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक कर तहसीलवार राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उनके द्वारा बैठक में लंबित कोर्ट केस, अंश निर्धारण सहित अन्य कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी ने पांच साल से अधिक पुराने वादो एवं पांच साल से अधिक अन्य राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों को जुलाई माह में अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जुलाई माह के पश्चात किसी भी कोर्ट में 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए तथा साथ ही साथ उन्होंने तीन वर्ष से अधिक लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों को भी शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने म्यूटेशन से सम्बंधित समयसीमा के उपरांत लम्बित सभी मामलों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के सख्त निर्देश दिए है।

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई के समय कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का नियमानुसार उचित समाधान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यायालय में वादों की नियमित सुनवाई करने एवं वादों का शीघ्रता

का निस्तारण करने हेतु कहा है। उन्होंने अभिलेख त्रुटि सुधार से सम्बंधित 1 वर्ष से लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए शून्य किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने धारा-34, धारा-80, धारा-116 से सम्बंधित प्रकरणों को जिनमें सम्बंधित तहसीलों की रैंकिंग प्रदेश स्तर पर अच्छी नहीं है, उनमें अभियान चलाकर प्रकरणों का निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने धारा 24 के 3 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को इसी माह समाप्त करने का निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने तहसील में राजस्व से सम्बंधित ऐसे सभी प्रकरणों जिनमें खराब प्रगति है कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कार्यप्रणाली में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समयसीमा के उपरांत कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को पुराने लम्बित प्रकरणों को सूचीबद्ध कराने तथा प्रतिदिन राजस्व टीम भेजकर 5-5 प्रकरणों का निस्तारण करने का निर्देश दिया है।

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा चिह्नित सभी बाढ चौकियों में आवश्यक व्यस्थाओं को अभी से दुरुस्त रखने तथा बाढ़ के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं । जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो में तेजी लाए जाने तथा अंश निर्धारण से सम्बंधित कार्यों को 30 जुलाई तक समाप्त किए जाने के निर्देश दिया है। उन्होंने कृषक दुर्घटना से संबंधित समय सीमा के पश्चात लंबित मामलों को निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से कार्य करने तथा नियमित रूप से कोर्ट में बैठने तथा मुकदमों की नियमित रूप से सुनवाई करते हुए निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाये, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जायें। भूमि सम्बन्धित विवादों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष तरीके से गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, नकदी, कार व एटीएम कार्ड बरामद

सबसे पहले तो

फतेहपुर। खागा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों से ठगी और चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एटीएम फ्रॉड से प्राप्त 3,200 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, पांच एटीएम कार्ड तथा एक माइक्रो सिम बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी खागा के पर्यवेक्षण में थाना खागा पुलिस ने 23 जुलाई को मुखबिर की सूचना और विवेचना के आधार पर राजेन्द्र सिंह उर्फ कल्लू डॉन (40 वर्ष) निवासी पूरे खुसई, मोहनगंज, थाना कोतवाली देहात, जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी को 24 जुलाई को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, गिरोह ने थाना खागा और थाना राधानगर क्षेत्र में एटीएम

कार्ड बदलकर दो लोगों से ठगी की थी। खागा थाना क्षेत्र के ग्राम एकढला निवासी सुल्ताना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 16 जून को आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम पर दो युवकों ने बातों में उलझाकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और बाद में उनके खाते से 24,500 रुपये निकाल लिए। इस मामले में थाना खागा में मुकदमा दर्ज किया गया था।

इसी प्रकार, थाना राधानगर क्षेत्र के बिलारीमऊ निवासी अमित कुमार पाण्डेय ने तहरीर देकर बताया कि 8 जून को बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम पर सहायता के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल दिया गया। इसके बाद उनके खाते से 25 हजार रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। इस मामले में भी थाना राधानगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने स्वीकार किया कि वह एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले लगभग आठ सदस्यीय संगठित गिरोह का सदस्य है। गिरोह के चार से पांच सदस्य एक साथ वारदात को अंजाम देते थे। आरोपी ने बताया कि वह अपनी स्विफ्ट कार से विभिन्न स्थानों पर एटीएम की रेकी करता था। इसके बाद साथी खाताधारकों को सहायता का झांसा देकर उनका एटीएम कार्ड बदल लेते थे और पिन देख लेते थे। फिर एटीएम खराब होने की बात कहकर पीड़ित को वहां से भेज देते थे तथा दूसरे एटीएम से उनके खाते से नकदी निकाल लेते थे। ठगी से प्राप्त रकम आपस में बांट ली जाती थी।

आरोपी ने पूछताछ में अपने साथियों के नाम सत्यम सिंह, मनीष सोनी, कपिल वर्मा, दीपक सिंह, सुरेन्द्र चौहान, मनीष सिंह और राहुल पाल बताए। सीसीटीवी फुटेज दिखाए जाने पर उसने राधानगर और खागा की घटनाओं में इन साथियों की संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में प्रकाश में आए अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

फूलपुर में नैनो को लेकर किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। शुक्रवार को नैनो उर्वरकों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं किसानों के मध्य इनके प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रयागराज मंडल के सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा नैनो उर्वरकों के उपयोग, लाभ एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप आयुक्त एवं उप निबंधक, सहकारिता प्रयागराज मंडल के आशीष श्रीवास्तव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इफको राज्य कार्यालय, लखनऊ से राज्य विपणन प्रबंधक यतेन्द्र कुमार तेवतिया उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रयागराज मंडल के समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) तथा विभिन्न जनपदों के सहकारिता विभाग के अधिकारी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि नैनो उर्वरक भारतीय कृषि के लिए एक क्रांतिकारी तकनीक है, जो कम लागत में अधिक उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने किसानों से प्राप्त अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जिन किसानों ने नैनो उर्वरकों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग किया है, उन्हें उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों को अधिकाधिक किसानों तक पहुँचाने के लिए सचिवों एवं किसानों के स्तर पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे इनका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके।

राज्य विपणन प्रबंधक यतेन्द्र कुमार तेवतिया ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं अन्य नैनो उर्वरकों की वैज्ञानिक उपयोगिता, उनकी कार्यप्रणाली तथा पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में उनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने उपस्थित अपर जिला सहकारी अधिकारियों एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सहकारी समितियों के माध्यम से नैनो उर्वरकों की उपलब्धता एवं बिक्री को बढ़ावा दें तथा किसानों को इनके उपयोग के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों का व्यापक उपयोग आत्मनिर्भर एवं टिकाऊ कृषि व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रयागराज मंडल के विभिन्न जनपदों से आए अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा नैनो उर्वरकों के प्रचार-प्रसार एवं सहकारी समितियों के माध्यम से इनके व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रयागराज जनपद से सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) श्रीमती साधना सिंह, कौशाम्बी जनपद से श्याम लाल मौर्य तथा प्रतापगढ़ जनपद से उमाकांत कुशवाहा सहित अन्य अधिकारियों ने नैनो उर्वरकों के उपयोग, किसानों में जागरूकता तथा सहकारी समितियों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में उपस्थित अपर जिला सहकारी अधिकारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने इफको के नैनो उर्वरकों से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका समाधान डॉ. डी.के. सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको प्रयागराज मंडल द्वारा विस्तारपूर्वक एवं सरल भाषा में किया गया। उन्होंने नैनो उर्वरकों की उपयोग विधि, किसानों को होने वाले लाभ, वैज्ञानिक तथ्यों तथा विपणन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कॉर्डेट फूलपुर , इफको के प्रधानाचार्य डॉ. विवेक दीक्षित ने संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था, अनुसंधान गतिविधियों तथा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों ने कॉर्डेट परिसर का भ्रमण किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों ने इफको फूलपुर स्थित नैनो उर्वरक संयंत्र का भ्रमण किया तथा नैनो उर्वरकों के निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

अधिकारियों ने यह जाना कि नैनो उर्वरकों का निर्माण किस प्रकार आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया जाता है। साथ ही उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग एवं संयंत्र की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अधिकारियों ने संयंत्र में अपनाई जा रही अत्याधुनिक तकनीकों की सराहना की तथा इसे भारतीय कृषि के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार बताया।

कार्यक्रम के अंत में इफको प्रयागराज के क्षेत्र प्रतिनिधि प्रतीक चौबे द्वारा सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिव्यांग की समस्या सुन तत्काल दिए इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिला पंचायत परिसर, मंझनपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के उपरांत बाहर निकलते समय भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य की नजर दिव्यांग युवक पंडित दीनानाथ मिश्रा पर पड़ी। उन्होंने तत्काल रुककर उनसे मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

बातचीत के दौरान पंडित दीनानाथ मिश्रा ने अपनी दैनिक आवाजाही में हो रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने तत्काल संबंधित अधिकारी से फोन पर वार्ता कर दिव्यांग युवक को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाध्यक्ष की इस त्वरित पहल और संवेदनशील व्यवहार की उपस्थित लोगों ने सराहना की। लोगों का कहना था कि जनसमस्याओं के प्रति तत्परता, सेवा भाव और संवेदनशीलता ही एक सच्चे जनप्रतिनिधि एवं जनसेवक की पहचान है।

सोरांव टोल प्लाजा पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का जोरदार स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का शुक्रवार को गंगापार क्षेत्र के सोरांव टोल प्लाजा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की महासचिव एवं फाफामऊ विधानसभा प्रभारी मंजू मौर्या की मौजूदगी कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस गंगापार प्रयागराज के जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने किया। स्वागत समारोह के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा इस स्थिति को समझ चुका है और आने वाले समय में जनता इसका उचित जवाब देगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की महासचिव एवं फाफामऊ विधानसभा प्रभारी मंजू मौर्या, अफजाल अहमद, मोहम्मद यासिर रजा फारूकी, मोहम्मद मुदस्सिर, मो आलम, मो अकरम सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दहेज उत्पीड़न व तीन तलाक मामले में पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

मध्यस्थता विफल होने के बाद भी पुलिस आयुक्त के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रायगराज । नवाबगंज थाना क्षेत्र के महेदियाबाग, लालगोपालगंज निवासी एक विवाहिता ने पति एवं ससुराल पक्ष के सात लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, घर से निकालने तथा अवैध रूप से तीन तलाक देने का आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि मध्यस्थता की प्रक्रिया विफल होने के बाद भी पुलिस ने सात लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है

पीड़िता के अनुसार उसका निकाह 26 फरवरी 2025 को प्रतापगढ़ निवासी रमजान अली के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह में उसके परिवार ने अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर नकद, सोने के आभूषण, फर्नीचर, घरेलू सामान सहित अन्य उपहार दिए थे। आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद पति, ननद, ननदोई तथा अन्य परिजनों ने अतिरिक्त दहेज में कार और दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना की गई।

पीड़िता का यह भी आरोप है कि 17 अप्रैल 2025 को उसके जेवरात और स्त्रीधन छीनकर उसे घर से निकाल दिया गया। इसके बाद वह मायके में रहने को मजबूर है। आरोप है कि पति ने मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी करते हुए अवैध तरीके से तीन तलाक देकर तलाकनामा भेज दिया। पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में पति रमजान अली समेत सात लोगों को नामजद करते हुए उनके विरुद्ध दहेज उत्पीड़न, मारपीट, स्त्रीधन हड़पने और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस आयुक्त के निर्देश पर नवाबगंज थाना में पति रमजान , ननद सितारा बानो,नंदोई अजमत आली उर्फ भाई ,अरशद,हुस्ना बानो,मो0 अरमान ,मो0 समीम के विरुद्ध केश दर्ज कर पुलिस ने जांच सुरु कर दिया है।

छात्र-छात्राओं की सुरक्षा एवं जाम से निजात दिलाने के लिए विद्यालयों के प्रबन्धक/प्रधानाचार्यों के साथ जिला सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संगम सभागार में शुक्रवार को जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों के प्रबन्धक / प्रधानाचार्य के साथ छात्र-छात्राओं की सुरक्षा एवं अनावश्यक जाम से निजात दिलाने हेतु जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा परिवहन विभाग के द्वारा बिना फिटनेस, बिना परमिट एवं बिना सुरक्षा उपकरणों के संचालित स्कूली वाहनों पर की गयी कार्रवाई की जानकारी लिए जाने पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि स्कूली वाहनों के फिटनेस, परमिट व अन्य सुरक्षा उपकरणों की जांच हेतु 1 से 15 जुलाई 2026 तक "मिशन सेफ फ्यूचर" अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत 104 वाहन बिना फिटनेस एवं मानक के अनुरूप संचालित न पाये जाने पर 301 वाहनों का चालान किया गया तथा 38 वाहनों को निरूद्ध किया गया। परिवहन कार्यालय द्वारा फिटनेस समाप्त 324 स्कूली वाहनों को नोटिस प्रेषित की गयी है। बैठक में 307 फिटनेस समाप्त स्कूली वाहनों की सूची जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपी गयी है, आगामी 15 दिनों में उन वाहनों की फिटनेस कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। फिटनेस न कराये जाने की स्थिति में स्कूल की मान्यता रद्द किये जाने का अनुरोध किया गया है। जिलाधिकारी ने अभियान को आगे भी चलाये जाने तथा प्रवर्तन की कार्रवाई में और तेजी लाए जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने बैठक में स्कूलों के बाहर बच्चो के आने व जाने के समय लगने वाले जाम से निजात दिलाये जाने हेतु अपर जिलाधिकारी नगर, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी व एसीपी ट्रैफिक को संयुक्त रूप से जाम से प्रभावित होने वाले स्थानों का भ्रमण कर निरीक्षण करने तथा सम्बंधित स्कूलों के प्रधानाचार्य व प्रबंधकों के साथ बैठक कर इन स्थानों पर लगने वाले जाम से निजात दिलाये जाने की कार्ययोजना बनाये जाने तथा सभी प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों को कार्ययोजना के अनुसार कार्रवाई किए जाने के कड़े निर्देश दिए है। उन्होंने बैठक में विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि बच्चों को वाहन में चढ़ाने एवं उतारने के लिए स्कूल प्लेग्राउण्ड का प्रयोग करें ताकि स्कूल के बाहर अनावश्यक जाम की स्थिति न उत्पन्न होने पाये। वाहनों को निर्धारित पार्किंग एरिया में खड़ा करें।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों की सुरक्षा सम्बन्धी मामलों की देखभाल हेतु सभी विद्यालयों में गठित होने वाली विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति के बारे में जानकारी लेते हुए सभी प्रबन्धक, प्रधानाचार्य जिनके यहां अभी समिति का गठन नहीं किया गया है, उन्हें शीघ्र समिति का गठन करने तथा समिति की बैठक कराये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित प्रबन्धकों एवं प्रधानाचार्य

को स्कूली वाहनों के संचालन व नियमन हेतु उत्तर प्रदेश मोटरयान (छब्बीसवां संशोधन) नियमावली, 2018 के उपबन्धों से अवगत कराया गया व इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि विद्यालय परिसर के भीतर ही बच्चों को सुरक्षित चढ़ाने व उतारने के लिए उपबन्ध किये जायें तथा प्रत्येक दशा में स्कूल के सामने स्थित मार्ग पर बच्चों को उतारना व चढ़ाना प्रतिबन्धित किया जाये। उन्होंने कहा कि विद्यालयी वाहनों के समस्त प्रपत्रों यथा परमिट, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण पत्र, बीमा आदि को वैद्य होने के उपरान्त ही वाहनों का उपयोग स्कूली छात्रों के परिवहन हेतु किया जाये। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि अभिभावकों व छात्रों को सड़क सुरक्षा के विषयों के प्रति जागरूक करें। विद्यालय प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि विद्यालयीय वाहनों में समस्त सुरक्षा उपकरणों यथा पारदर्शी फस्ट एड बॉक्स, सी०सी० कैमरे, वीएलटीडी, स्पीड गवर्नर, खिडकियों में जाली, बच्चों को चढने उतरने के लिए सीढी आदि सही रूप से लगी हो। बच्चों की सुरक्षा हेतु विद्यालयी वाहनों के अनुभवी चालकों व सहायकों की नियुक्ति सुनिश्चित करें।

मोबाइल नहीं, खेल और किताबों से जोड़ें बच्चों का बचपन- डॉ. अनुराग

स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों की आंखों, मस्तिष्क और मानसिक विकास पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बदलती जीवनशैली और बढ़ते स्क्रीन टाइम के बीच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रामनगर के अधीक्षक डॉ. अनुराग तिवारी ने अभिभावकों से छोटे बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने की अपील की है। उन्होंने अस्पताल परिसर में इलाज के लिए आए अभिभावकों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों की आंखों, मस्तिष्क और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

डॉ. तिवारी ने बताया कि लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन देखने से बच्चों की आंखों की रेटिना

प्रभावित होती है। इसके अलावा सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, नींद की कमी और एकाग्रता में गिरावट जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज के सरोजिनी नायडू बाल चिकित्सालय में भी ऐसे बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो अत्यधिक मोबाइल और इंटरनेट के इस्तेमाल के कारण आंखों की कमजोरी, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को मोबाइल केवल पढ़ाई और आवश्यक कार्यों के लिए ही दें। साथ ही उन्हें खेलकूद, पुस्तक पढ़ने, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि उनका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास बेहतर हो सके।

डॉ. तिवारी ने कहा कि बच्चों का बचपन मोबाइल स्क्रीन में नहीं, बल्कि खुले वातावरण, खेल और परिवार के साथ बिताए गए समय में है। यदि समय रहते सावधानी बरती जाए तो भविष्य में कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

सीएचसी रामनगर में चलाए गए इस जागरूकता अभियान की ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने सराहना की। लोगों का कहना है कि मेजा क्षेत्र में पहली बार किसी अधीक्षक ने बच्चों के स्वास्थ्य और मोबाइल की लत जैसे गंभीर विषय पर इस तरह जागरूकता अभियान चलाया है। उन्हें उम्मीद है कि इस पहल से अभिभावकों में जागरूकता बढ़ेगी और बच्चों का भविष्य अधिक सुरक्षित व स्वस्थ बनेगा।

प्रयागराज में एकदिवसीय प्रवास पर पहुंचे जगतगुरु विष्णु स्वामी श्री सतुआ बाबा महाराज संजय तिवारी ने लिया आशीर्वाद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। परम पूज्य प्रातः स्मरणीय गुरुदेव भगवान, जगतगुरु विष्णु स्वामी श्री सतुआ बाबा महाराज जी के प्रयागराज आगमन के अवसर पर उनके एकदिवसीय पावन प्रवास के दौरान श्रद्धालुओं ने उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगापार, प्रयागराज के जिला अध्यक्ष, श्रृंगवेरपुर धाम महोत्सव के अध्यक्ष तथा शिव दरबार शनि देव धाम, प्रयागराज के अध्यक्ष संजय तिवारी ने गुरुदेव के चरणकमलों में उपस्थित होकर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने गुरुदेव का स्वागत करते हुए उनके सान्निध्य को अपने जीवन का सौभाग्य बताया तथा समाज में धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण के लिए उनके मार्गदर्शन को प्रेरणास्रोत बताया।

चार लाख से अधिक किशोरियों को मिला एचपीवी टीका, सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में यूपी की बड़ी उपलब्धि

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किशोरियों को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए चलाया जा रहा ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान नई उपलब्धि पर पहुंच गया है। मार्च 2026 में शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक प्रदेश की चार लाख से अधिक 14झ15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया जा चुका है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने बताया कि प्रदेश में कुल 24 लाख पात्र किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है तथा सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र किशोरी तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंचाना है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी पात्र बेटियों का समय पर एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं और किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रांति पर ध्यान न दें। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयासों और जनसहयोग से निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूरा कर लिया जाएगा।

टीकाकरण अभियान में अंबेडकर नगर ने 18,499 किशोरियों का टीकाकरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद बरेली (15,075), हाथरस (14,337), सिद्धार्थनगर (13,741) और सुल्तानपुर (13,564) का स्थान रहा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन जिलों का प्रदर्शन अन्य जनपदों के लिए प्रेरणादायी है।

विभाग ने बताया कि जिन जिलों में टीकाकरण की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष रणनीति के तहत अभियान को और तेज किया जा रहा है। इसके लिए नियमित समीक्षा, फील्ड मॉनिटरिंग, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी बनाया गया है।

प्रदेश सरकार के अनुसार एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। पात्र किशोरियों के लिए यह टीका जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों सहित सभी नियमित टीकाकरण केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

ट्रेन में पति को दूसरी महिला के साथ देख भड़की पत्नी, मारपीट का आरोप

हाईकोर्ट से लौटते समय दादरी-प्रयागराज एक्सप्रेस में हुआ विवाद, जीआरपी ने अलीगढ़ किया केस ट्रांसफर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से पेशी कर अलीगढ़ लौट रही महिला ने दादरी-प्रयागराज एक्सप्रेस में अपने पति को दूसरी महिला के साथ देखा तो ट्रेन में हंगामा हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर पति और उसके साथ मौजूद महिला ने उसके साथ मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी और बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भाई से भी हाथापाई की। जीआरपी ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना अलीगढ़ जीआरपी को स्थानांतरित कर दी है।

अलीगढ़ निवासी महिला ने जीआरपी को दी तहरीर में बताया कि उसका अपने पति से न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। 16 जुलाई को वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेशी के बाद ट्रेन संख्या 02417 दादरी-प्रयागराज एक्सप्रेस से अलीगढ़ लौट रही थी। रात करीब 9:56 बजे सिराथू स्टेशन के पास उसकी नजर पति पर पड़ी, जो एक अन्य महिला के साथ यात्रा कर रहा था।

महिला का आरोप है कि दूसरी महिला के बारे में पूछने पर पति भड़क गया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसने कहा कि अब वह उसी महिला के साथ रहेगा और उससे शादी करेगा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। शोरगुल सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे महिला के भाई के साथ भी पति और दूसरी महिला ने हाथापाई की। इसके बाद दोनों इटावा स्टेशन पर उतरकर फरार हो गए।

कार्यकारी जीआरपी थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने बताया कि महिला की तहरीर पर पति और दूसरी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की विवेचना के लिए केस अलीगढ़ जीआरपी को स्थानांतरित कर दिया गया है।

15वें स्थापना दिवस की तैयारियों पर मंथन, सदस्यता अभियान तेज करने पर जोर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नेशनल एंटी करप्शन एंड ऑपरेशन कमेटी ऑफ इंडिया के 15वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सिविल लाइंस स्थित होटल टूरिस्ट में संगठन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समारोह को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि संगठन का 15वां स्थापना दिवस 29 सितंबर को प्रतापगढ़ के कुंडा स्थित भक्ति धाम, मानगढ़ के बालाजी गेस्ट हाउस में

आयोजित होगा। इस दौरान सदस्यता अभियान को गति देने, नए सदस्यों को जोड़ने, परिचय-पत्र और संगठन की डायरी तैयार कराने समेत विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार किया गया।

बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) शेख जावेद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से स्थापना दिवस समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता की अपील की।

बैठक में अरुण शुक्ला, अब्दुल फैजी, ऐजाज अहमद, जेएन मिश्रा, सुधांशु शुक्ला, अंकित वर्मा, सफीक अहमद समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

बसों का रूट चार्ट तैयार कर रूट चार्ट के सापेक्ष नियमित रूप से बसों का संचालन सुनिश्चित करायें एआरएम रोडवेज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग यातायात को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र में वृहद जाम के दृष्टिगत चिन्हित स्थायी होर्डिग्स एरिया का सम्यक रूप से निरीक्षण कर अवगत कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने परिवहन विभाग एवं एआरएम रोड वेज को निर्देशित किया कि जीरो रोड पर अवैध बसे एवं अन्य वाहन खड़े रहते हैं, जिससे कि जाम की स्थिति बनी रहती है, जिस पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए जाम से निजात दिलाये। उन्होंने एआरएम रोडवेज अपनी बसों का एक रूट चार्ट तैयार कर रूट चार्ट के सापेक्ष नियमित रूप से बसों का संचालन किया जाय। यदि परिवहन चालक अथवा परिचालक निर्धारित रूट के विपरीत बसों का संचालन करें तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि यदि कोई पंजीकृत बस का वाहन चालक सिग्नल के विपरीत वाहन चलाता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाय।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं पुलिस विभाग यातायात को पीएम राहत कोष योजनान्तर्गत सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के क्रम में घायलों को समुचित इलाज प्रदान किये जानें के पश्चात

उपचार पर व्यय धनराशि का भुगतान किस प्रकार किया जायेगा, की व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिए` उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि पुलिस विभाग, विद्युत विभाग तथा अग्निशमन अधिकारी के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए चिकित्सालयों का निरीक्षण कर विद्युत एवं अग्नि से बचाव हेतु निरीक्षण कर शत-प्रतिशत अनुपालन उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देशित किया कि शहरी मार्गों पर क्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित किये जानें हेतु नगर आयुक्त को जिलाधिकारी की ओर से पत्र प्रेषित किये जाये, जिससे कि कम से कम समय में घायलों/आहतों को समुचित इलाज दिया जा सके। पीडीए एवं नगर-निगम को निर्देशित किया गया कि स्ट्रीट वेडर्स की संख्या बढ़ाते हुए, वेडिंग जोन में व्यवस्थित करें। परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि अंडरएज ड्राइविंग एवं स्कूली वाहनों के मानक के अनुरूप न पाये जानें पर चालानों की संख्या बढ़ायी जाय। पुलिस विभाग यातायात को निर्देशित किया गया कि आई0टी0एम0एस0 द्वारा किये गये चालानों का मार्गवार विवरण उपलब्ध कराया जाय तथा मार्ग पर लगाये गये कैमरे क्रियाशील अवस्था में रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में उठाये गये बिन्दुओं पर शत-प्रतिशत अनुपालन 07 दिवस के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यदि अनुपालन आख्या निर्धारित समयावधि के व्यतीत हो जानें के उपरान्त उपलब्ध करायी जायेगी तो सम्बंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जायेगी। जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बंधित अधिकारी का होगा।

संपादकीय

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है।

ऐसे तो समाज की नींव हिल जाएगी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मेरठ के हस्तिनापुर में बीती 17 जुलाई को दामिनी नामक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर षड्यंत्र किया और अपने पति को सांप से कटवा कर मार दिया। बीते कुछ समय से आपको कुछ दिनों के अंतराल पर यह समाचार पढ़ने या देखने को मिलते होंगे कि अमुक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। देश में कुछ ऐसे चर्चित मामले भी हैं, जिनका उदाहरण दिया जा सकता है। फिर चाहे वह नीले ड्रम हत्याकांड वाली मुस्कान रस्तोगी हो, हनीमून पर पति की हत्या करवा देने वाली सोनम रघुवंशी हो, पति की हत्या करने और साक्ष्यों को घर के भीतर ही छुपाने वाली आगरा की रूबी हो, फिर चाहे वह झारखंड की उर्मिला कुमारी हो, पति को मंदिर बुलाकर उसकी हत्या करने वाली आंध्र प्रदेश की हसिनी हो, या फिर इस समय के सबसे चर्चित मामलों में से एक केतन अग्रवाल का मामला हो, जिनको उनकी होने वाली पत्नी सिया ने अपने प्रेमी चेतन के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया। झारखंड के गढ़वा में सुनीता ने अपने पति बुद्धनाथ को खाने में जहर देकर मार डाला। राजस्थान के अलवर में अनीता ने पति वीरू जाटव की हत्या के लिए चार बदमाशों को 2 लाख रुपए सुपारी दी। गिरिडीह की सोनिया खातून ने इलाज के नाम पर जंगल में पति की हत्या कर दी। ये मामले भयभीत करने वाले और वाकई संबंधों और विश्वास को पूरी तरह झकझोर देने वाले हैं। इन मामलों ने आधुनिक समाज में रिश्तों के ताने-बाने, पारिवारिक दबाव और युवाओं की मानसिकता को लेकर एक गंभीर चर्चा छेड़ दी है। वहीं अगर हम इन मामलों पर दृष्टि डालें, तो यह एक पैटर्न-सा बनता है कि इस तरह के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इन घटनाओं ने समाज में विश्वास और जीवनसाथी जैसे पवित्र संबंधों पर गंभीर प्रश्न खड़े किये हैं। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे षडयंत्र रचकर उसे अंजाम तक पहुंचाती भी है। प्रश्न यह भी है कि आखिर इसके पीछे वह कौन-सी सोच या स्थिति जिम्मेदार है, जो इन महिलाओं को ऐसा कदम उठाने के लिए विवश कर रही है। आखिर कोई रिश्ता किसी मोड़ इतना भयानक कैसे हो सकता है कि जीवनसाथी ही जान का दुश्मन बन जाए? आखिर जिन पुरुषों को कोई गलती नहीं, बस सिर्फ शादी कर ली इसलिए मारा जा रहा है, ऐसे मामले क्यों बढ़ते जा रहे हैं? मनोचिकित्सकों के अनुसार, इन अपराधों को पुरुष या महिला द्वारा किए गए अपराध के रूप में नहीं देखना चाहिए। इन्हें इंसानी त्रासदी के रूप में देखने की जरूरत है, जो इमोशनल असंतुलन, समस्याओं से निपटने के गलत तरीके, सोचने-समझने की क्षमता में कमी और निर्णय लेने की कमजोर क्षमता का परिणाम हो सकते हैं। वहीं आज महिलाओं पर आर्थिक, सामाजिक, भावनात्मक और अस्तित्व से जुड़े कई तरह के दबाव बढ़े हैं। कई रिश्तों में क्षमता और अधिकार को लेकर संघर्ष भी देखने को मिलता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अब कपल्स में धैर्य पहले की तुलना में कम हो गया है। इसके साथ ही लोगों को यह भरोसा भी होने लगा है कि वे कानून से बच निकलेंगे। वहीं आज के रिश्ते सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया से काफी प्रभावित हैं।

बाहर से ये रिश्ते जितने मजबूत दिखाई देते हैं, भीतर से उनमें इमोशनल जुड़ाव की कमी हो सकती है।

युवाओं की बात सुने केंद्र सरकार

रोहित

देश०-दुनिया में छात्र आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है। आजादी के पूर्व भारत छोड़ो आंदोलन हो या निरंकुशता के खिलाफ संपूर्ण क्रांति हो,सभी आंदोलनों में छात्रों की महत्ती भूमिका रही है। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा प्रणाली में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं पर जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी का आंदोलन जारी है।

इस आंदोलन का नेतृत्व सीजेपी कर रही है लेकिन इसे किसी एक व्यक्ति या संगठन के आंदोलन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह देश के उन लाखों छात्रों की लड़ाई है, जिनका भविष्य बार-बार होने वाले पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं से प्रभावित हुआ है। यदि छात्र खुद आगे आकर अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठाएंगे तो व्यवस्था में सुधार लाना मुश्किल होगा। लेकिन अफसोस की बात है कि छात्र आंदोलन राजनीति का शिकार हो चुका है।

छात्र आंदोलन का सवाल जब भी आता है, उसकी दिशा का सवाल सबसे महत्वपूर्ण बनता है। हालांकि, यह भी सच है कि कई बार आंदोलनों का स्वरूप बदल जाता है। कुछ मामलों में मूल शैक्षिक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक टकराव या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं चर्चा के केंद्र में आ जाती हैं। जब ऐसा होता है, तो छात्रों की वास्तविक समस्याएं दब जाती हैं और आंदोलन का उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। सीजेपी के आंदोलन के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। संसद के मॉनसून सत्र के साथ ही छात्र मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। क्या छात्रों की आवाज को राजनीतिक रंग मिल गया है? सीजेपी का आंदोलन धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति का केंद्र बन गया है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी जैसी राजनीतिक दलों की इस आंदोलन में सीधी भागीदारी और उनके नेताओं की मौजूदगी ने इसे छात्रों के मुद्दे से हटकर राजनीतिक दलों के बीच शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बना दिया है। आज सोशल मीडिया आम लोगों की आवाज को देशभर तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। पहले लोग खुलकर अपनी बात कहने से डरते थे, लेकिन अब छात्र और नागरिक अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रख रहे हैं। छात्र सीधे तौर पर शिक्षा प्रणाली से जुड़े होते हैं, जिससे वे परीक्षाओं में और बुनियादी सुविधाओं की कमियों को सबसे बेहतर तरीके से उजागर कर सकते हैं। देश की नीतियां सीधे तौर पर छात्रों के करियर और जीवन को प्रभावित करती हैं, इसलिए नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी आवश्यक है।

लोकतंत्र में संवाद और आलोचना दोनों जरूरी हैं और सरकार को इन्हें सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। अच्छी बात है कि सरकार ने संवाद का रास्ता खोला है। आंदोलनकारियों को भी ठोस तरीके से अपना पक्ष रखना चाहिए। आये दिन अगर प्रदर्शनकारी अपनी मांगें बदलते रहेंगे या मांग पत्र में नयी मांगे जोड़ते रहेंगे तो इससे कोई ठोस नतीजा हासिल नहीं हो पाएगा।

हाल के वर्षों में कई छात्र आंदोलनों ने महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि युवा वर्ग समाज के प्रति जागरूक है और अपने अधिकारों के प्रति सजग भी।

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखने का अधिकार नागरिकों की मूल स्वतंत्रताओं का हिस्सा है। इसलिए छात्र आंदोलनों को केवल विरोध के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

लोकतंत्र में छात्रों की आवाज और उनकी मांगे सुनना सरकार के लिए बेहद जरूरी है। युवा देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा, रोजगार, और परीक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर राष्ट्र के विकास को प्रभावित करते हैं। छात्रों की शिकायतों को सुनकर और उनका समाधान करके ही एक मजबूत, पारदर्शी और न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है। छात्र आंदोलनों का मूल उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता, समान अवसर, फीस, छात्रवृत्ति, रोजगार, शोध सुविधाओं, सुरक्षित परिसर और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। जब आंदोलन इन वास्तविक समस्याओं पर केंद्रित होते हैं, तो वे न केवल छात्रों का हित करते हैं बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं। एक और चिंता यह है कि लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन छात्रों की पढ़ाई, शोध और करियर को प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व का विकास करना भी है। यदि आंदोलन और शिक्षा के बीच संतुलन नहीं बनाया जाता, तो इसका नुकसान अंततः छात्रों को ही उठाना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि छात्रों को अपनी आवाज नहीं उठानी चाहिए। बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन रचनात्मक, शांतिपूर्ण, तथ्य-आधारित और समाधान-केंद्रित हों। विरोध के साथ-साथ संवाद, सुझाव और सहयोग की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब छात्र केवल समस्या नहीं, बल्कि उसके व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत करते हैं, तब उनकी भूमिका अधिक प्रभावशाली बन जाती है। भारत जैसे युवा देश में छात्र केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय भागीदार भी हैं। उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए छात्र आंदोलनों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन होना चाहिए। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि छात्र आंदोलन होने चाहिए या नहीं। प्रश्न यह है कि वे किस दिशा में आगे बढ़ें। यदि आंदोलन शिक्षा, समानता, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल मुद्दों पर केंद्रित रहेंगे, तो वे लोकतंत्र को मजबूत करेंगे और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। लेकिन यदि वे मूल उद्देश्य से भटक कर केवल शोर, ध्रुवीकरण या तात्कालिक विवादों तक सीमित रह जाएं, तो उनका प्रभाव भी सीमित हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हर आंदोलन में सड़क पर आम छात्रों को उतरने के लिए कहा जाता है। लेकिन क्या आपने कभी देखा है कि बड़े नेताओं के अपने बेटे-बेटियां भी उसी आंदोलन की अगली कतार में हों? जो भी छात्र किसी आंदोलन में शामिल होने का फैसला करें, पहले यह जरूर सोचें कि उसका असर उनकी पढ़ाई, परीक्षा और करियर पर क्या पड़ेगा। अपना भविष्य किसी भी राजनीतिक दल के भरोसे मत छोड़िए। सवाल पूछिए, जानकारी जुटाइए और फिर अपना निर्णय स्वयं लीजिए। राजनीति आती-जाती रहती है, लेकिन शिक्षा और करियर का नुकसान कई बार वर्षों तक साथ रहता है। विरोध करना आपका अधिकार है, लेकिन अपने भविष्य की कीमत पर नहीं। भावनाओं से नहीं, तथ्यों और अपने दीर्घकालिक हित को ध्यान में रखकर निर्णय लें।

छात्रों ने जिस साहस और धैर्य के साथ यह आंदोलन शुरू किया था, वही इसकी सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही थी। लेकिन 20 जुलाई को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में छात्र और पुलिस वालों को चोटें आई हैं। शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है, और प्रशासन द्वारा उनके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाना लोकतांत्रिक साख को मजबूत करता है। एक आदर्श व्यवस्था वही होती है जहां सरकार और संबंधित अधिकारी छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ निरंतर बातचीत करें, ताकि उनकी समस्याओं का उचित और समयबद्ध समाधान निकाला जा सके। किसी भी परिस्थिति में हिंसा का सहारा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि अधिकारों की लड़ाई प्रेम, धैर्य और संविधान के दायरे में रहकर ही प्रभावी ढंग से लड़ी जा सकती है।

विश्व में भारत के खिलाफ नैरेटिव गढ़ता बीबीसी

संजय

दुनिया भर में अपनी पत्रकारिता के कारण सुर्खियों में रहने वाला बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) का विवादों से गहरा नाता रहा है। कई देश बीबीसी की खबरों को उसके एजेंडे के रूप में देखते हैं। बीबीसी पर भारतीय राजनीति, समाज और नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए एजेंडा-आधारित पत्रकारिता और नैरेटिव मैनिपुलेशन (कहानियों को तोड़ने-मरोड़ने) के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। आलोचकों, विचारकों और भारत सरकार के समर्थकों का मानना है कि बीबीसी अक्सर भारत की नकारात्मक छवि पेश करता है और संवेदनशील मुद्दों पर एकतरफा दृष्टिकोण अपनाकर असंतोष को भड़काता है। ऐसा ही कुछ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान भी देखने को मिल रहा है।बीबीसी की रिपोर्टिंग पर नजर डालने से कुछ विशेष पैटर्न सामने आते हैं, जिनके जरिए खबरों को एक खास दिशा दी जाती है। भारत से जुड़ी खबरों में ऐसे शीर्षकों का चयन किया जाता है, जो सीधे तौर पर देश की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। जटिल सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को सरलीकृत कर-के सीधे तौर पर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक के रूप में पेश किया जाना। बीबीसी का लोकल नैरेटिव को ग्लोबल एजेंडा बनाना भी अक्सर चिंताजनक नजर आता है। उसके द्वारा स्थानीय स्तर के आपराधिक मामलों को राष्ट्रीय राजनीति और सरकार की नीतियों से जोड़कर दिखाने के कई उदाहरण मौजूद हैं। बीबीसी द्वारा अपनी रिपोर्ट में केवल उन्हीं विचारकों, पत्रकारों या कार्यकताओं को शामिल किया जाता है, जो सरकार विरोधी रुख रखते हैं। बीबीसी की दखलअंदाजी और मैनिपुलेशन के कई उदाहरण मौजूद हैं। बीबीसी द्वारा 2023 में दो भागों में जारी की गई इंडियाः द मोदी क्वेश्चन डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। इस डॉक्यूमेंट्री को ऐसे समय पर रिलीज किया गया, जब भारत जी-20 (जी-20) की अध्यक्षता संभाल रहा था और वैश्विक मंच पर अपनी छवि मजबूत कर रहा था। इसमें भारत की सर्वोच्च अदालत द्वारा गठित एसआईटी की उस जांच को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया, जिसने नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट दी थी। दरअसल, बीबीसी का उद्देश्य कानूनी रूप से सुलझ चुके इस संवेदनशील और ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दे को दोबारा हवा देकर देश में राजनीतिक अस्थिरता और असंतोष पैदा करना था। साल 2020-2021 में भारत सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान बीबीसी की कवरेज को बेहद एकतरफा माना गया।

बीबीसी की ग्राउंड रिपोर्ट्स और डिजिटल आर्टिकल्स में मुख्य रूप से आंदोलनकारियों के पक्ष को ही सही ठहराया गया। इसमें लाल किले पर हुई हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों को या तो बहुत कम दिखाया गया या उन्हें जायज ठहराने की कोशिश की गई। कानूनों के समर्थन में खड़े करोड़ों छोटे किसानों के दृष्टिकोण को बीबीसी ने अपनी मुख्यधारा की कहानियों में कोई जगह नहीं दी। इस कवरेज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश दिया कि भारत सरकार किसानों का दमन कर रही है, जिससे भारत की लोकतांत्रिक साख को चोट पहुंची। 2020 में समान नागरिक संहिता यानी सीएए विरोधी प्रदर्शनों और उसके बाद फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के दौरान बीबीसी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे। बीबीसी ने सीएए को एक मुस्लिम विरोधी कानून के रूप में प्रचारित किया, जबकि यह कानून केवल पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए था, न कि किसी की नागरिकता छीनने के लिए। दिल्ली दंगों की रिपोर्टिंग में बीबीसी ने हिंसा को एकतरफा मुस्लिम विरोधी दंगे के रूप में पेश किया, जबकि दंगों में दोनों पक्षों (हिंदू और मुस्लिम) के लोग मारे गए थे और खुफिया ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा व पुलिस हेड कांस्टेबल रतन लाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बीबीसी की इस तरह की रिपोर्टिंग ने देश के भीतर सांप्रदायिक तनाव को और बढ़ाने और विदेशों में भारत की छवि को एक असहिष्णु देश के रूप में पेश करने का काम किया।1947 से लेकर अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटने तक, बीबीसी की कश्मीर नीति को लेकर भारत में हमेशा आक्रोश रहा। बीबीसी अपनी रिपोर्टों में कश्मीर को भारत प्रशासित कश्मीर लिखता रहा। अनुच्छेद 370 हटने के बाद बीबीसी ने घाटी में केवल तालाबंदी, विरोध और सेना की कथित ज्यादतियों को ही दिखाया। वहां आतंकवाद के खात्मे, विकास कार्यों, स्कूलों के खुलने और कश्मीरी पंडितों के दर्द को उसकी रिपोर्टिंग में हमेशा हाशिए पर रखा गया। उसकी यह रिपोर्टिंग वैश्विक स्तर पर कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और पाकिस्तान के रुख को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा गया।2021 में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान बीबीसी की कवरेज मानवीय संकट से ज्यादा राजनीतिक प्रहार पर केंद्रित थी। बीबीसी ने श्मशान घाटों और जलती हुई चिताओं की तस्वीरों को अत्यधिक ड्रोन कैमरों के जरिए जूम करके दिखाया। जबकि पश्चिमी देशों (जैसे अमेरिका और यूके) में महामारी से भीषण मौतें होने के बावजूद वहां के मीडिया ने लाशों और कब्रिस्तानों की ऐसी डरावनी तस्वीरें नहीं दिखाईं। आपदा के समय इस तरह के दृश्य बार-बार दिखाकर बीबीसी ने देश के भीतर जनता में पैनिक (डर का माहौल) पैदा किया और सरकार की व्यवस्था को पूरी तरह से विफल दिखाने का प्रयास किया।

आढ़तियों के चंगुल में ग्राहक-किसान

भारतीय कृषि व्यवस्था की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि खेत की मिट्टी से उपज उगाने वाला किसान और रसोई घर का बजट संभालने वाला आम ग्राहक, दोनों एक ही चक्रव्यूह के दो अलग-अलग शिकार हैं। किसान दिन-रात पसीना बहाकर फसल तैयार करता है, लेकिन जब वह बाजार पहुंचता है तो उसकी जेब खाली रह जाती है। दूसरी तरफ, जब वही ग्राहक बाजार में सब्जियां या अनाज खरीदने जाता है, तो आसमान छूती महंगाई उसकी कमर तोड़ देती है। इस पूरी व्यवस्था के बीच एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जो बिना किसी शारीरिक मेहनत के पूरी मंडी प्रणाली पर अपना नियंत्रण जमाए बैठा है ये हैं बिचौलिए यानी आढ़ती। खेत से लेकर ग्राहक की थाली तक के सफर में जो मुनाफा किसान के घर पहुंचना चाहिए था और जो राहत ग्राहक को मिलनी चाहिए थी, वह सब इन आढ़तियों की तिजोरियों में बंद हो रहा है।

आज स्थिति यह बन चुकी है कि आढ़तियों के तय किए रेट पर ही किसान बेचने और ग्राहक खरीदने के लिए मजबूर हैं, और सरकार का तंत्र इस पूरे खेल में पूरी तरह मूकदर्शक बना नजर आता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस शोषण की भयानक तस्वीर साफ दिखने लगती है। भारत में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएसओ) के आंकड़े बताते हैं कि देश में एक कृषि परिवार की औसत मासिक आय मात्र 10,218 रुपये के करीब है। इस मामूली सी रकम में किसान को अपनी खाद, बीज, डीजल, मजदूरी और परिवार के भरण-पोषण का खर्च चलाना पड़ता है। इसके ठीक विपरीत, रिजर्व बैंक और विभिन्न शोध संस्थानों की रिपोर्ट दर्शाती है कि किसान की उपज के अंतिम बाजार मूल्य (यानी जो दाम ग्राहक चुकाता है) का महज 25 से 35 प्रतिशत हिस्सा ही किसान की जेब तक पहुंच पाता है। उदाहरण के लिए, यदि बाजार में टमाटर या प्याज 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, तो खेत पर किसान को इसका मुश्किल से 12 से 15 रुपये प्रति किलो ही मिलता है। बाकी का लगभग 65 से 75 प्रतिशत हिस्सा बिचौलियों, आढ़तियों, परिवहन और मंडी के विभिन्न स्तरों पर बंट जाता है। यह आंकड़ा साबित करता है कि असली पसीना बहाने वाले को नाममात्र की मजदूरी मिल रही है, जबकि बीच की कड़ी मुनाफा कूट रही है। आढ़तियों का यह नेटवर्क इतना मजबूत और संगठित है कि वे मंडी में प्रवेश करते ही किसान की बेबसी का फायदा उठाना शुरू कर देते हैं।

कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) का गठन मूल रूप से इसलिए किया गया था ताकि किसानों को शोषण से बचाया जा सके और उन्हें पारदर्शी तरीके से अपनी फसल का सही दाम मिले। लेकिन समय के साथ ये मंडियां आढ़तियों के एकाधिकार का केंद्र बन गईं।

क्या विकास प्रकृति के साथ चल सकता है?

जब जंगल अपनी खामोशी खोने लगें, तो समझना चाहिए कि प्रकृति और विकास का संतुलन बिगड़ चुका है। भारत आज इसी संकट से जूझ रहा है। सिमटते जंगल, बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और विकास परियोजनाएँ वन्यजीवों के पारंपरिक मार्ग बाधित कर रही हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है। तमिलनाडु इसका बड़ा उदाहरण है, जहाँ 2015 से जुलाई 2025 तक वन्यजीवों के हमलों में 685 लोगों की मृत्यु हुई, जिनमें 522 हाथियों के हमलों से हुईं। कोयंबटूर, नीलगिरि और पश्चिमी घाट इस संघर्ष के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। समाधान की दिशा में डब्ल्यूआईआई और सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नैचुरल हिस्ट्री (साकॉन) के सहयोग से कोयंबटूर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन मन-वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है। अब देखना है कि यह पहल संघर्ष घटाएगी या अन्य योजनाओं की तरह सरकारी अभिलेखों तक सिमट जाएगी।

यह संकट केवल आँकड़ों का नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों का है जिनके लिए हर रात भय लेकर आती है। हाथी फसलें उजाड़ते हैं, तेंदुए पालतू पशुओं का शिकार करते हैं और जंगली सूअर किसानों की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। भय अब जंगलों से निकलकर ग्रामीण जीवन का हिस्सा बन चुका है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुँचना और महिलाओं का शाम बाद घर से निकलना प्रभावित है। कोयंबटूर मानव-हाथी संघर्ष का सबसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक आवासों का विनाश, अनियंत्रित विकास, वन गलियारों का टूटना और एल-नीनो से बढ़ा सूखा वन्यजीवों को बस्तियों की ओर धकेल रहा है। यहीं से उस संघर्ष की शुरूआत होती है, जिसकी कीमत अंततः मनुष्य और वन्यजीव–दोनों चुकाते हैं। संघर्ष का स्थायी समाधान केवल रोकथाम नहीं, दूरदृष्टि में है। कोयंबटूर मॉडल इसी सोच पर आधारित है। यह केवल बाड़ या वन्यजीवों को जंगल लौटाने तक सीमित नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक और स्थानीय अनुभव का समन्वय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चेतावनी प्रणाली, थर्मल इमेजिंग, हॉटस्पॉट मैपिंग, वन्यजीव व्यवहार अध्ययन और प्राकृतिक आवासों का पुनर्स्थापन इसके प्रमुख आधार हैं। उद्देश्य राहत नहीं, बल्कि खतरे का पूर्व आकलन कर उसे टालना है। इसके लिए स्थानीय समुदायों का प्रशिक्षण, ग्राम स्तरीय सूचना तंत्र और वैकल्पिक आजीविका को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघर्ष को वन विभाग नहीं, बल्कि समाज, वैज्ञानिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों की साझा जिम्मेदारी मानता है। सफल होने पर यह मॉडल भारत में वन्यजीव संरक्षण की दिशा बदल सकता है। किसी भी नीति की असली कसौटी उसकी घोषणा नहीं, प्रभावी क्रियान्वयन है। कोयंबटूर मॉडल की सबसे कठिन परीक्षा भी यही है। वर्षों से अपनाई जा रही ट्रांसलोकेशन नीति सीमित परिणाम देती रही है, क्योंकि हाथी स्मृति के आधार पर पुराने मार्गों पर लौट आते हैं। वन रक्षकों की कमी, आधुनिक संसाधनों का अभाव और जलवायु परिवर्तन से भोजन-पानी के घटते स्रोत भी बड़ी चुनौतियाँ हैं। यदि प्राकृतिक आवासों का संरक्षण और विकास परियोजनाओं पर पर्यावरणीय अनुशासन सुनिश्चित नहीं हुआ, तो केवल तकनीक स्थायी समाधान नहीं दे सकती। अंततः प्रश्न यही है–क्या हम समस्या की जड़ तक पहुँचेंगे, या केवल उसके लक्षणों का उपचार करते रहेंगे? संरक्षण तभी सफल होता है, जब समाज की भागीदारी शासन जितनी ही मजबूत हो। कोयंबटूर मॉडल की सबसे बड़ी ताकत भी यही है। यह संघर्ष को केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती मानता है। इसलिए जैविक फेंसिंग, बेहतर फसल बीमा, त्वरित व पारदर्शी मुआवजा, पर्यावरण शिक्षा, ग्राम जागरूकता, स्थानीय युवाओं का प्रशिक्षण और इको-टूरिज्म को समान महत्व दिया गया है। उद्देश्य वन्यजीवों को बस्तियों से दूर रखने के साथ ग्रामीणों को समाधान का सहभागी बनाना है। समय पर मुआवजा, युवाओं का सहयोग और बच्चों में सह-अस्तित्व की समझ संरक्षण को जनआंदोलन बना सकती है।

यही दृष्टि इसे परंपरागत योजनाओं से अलग बनाती है। तकनीक समाधान का साधन है, विकल्प नहीं। इसलिए यह मानना जल्दबाजी होगी कि नई योजनाएँ और आधुनिक तकनीक दशकों पुरानी समस्या समाप्त कर देंगी। यदि जंगलों का क्षरण जारी रहा, हाथियों के पारंपरिक गलियारों पर सड़कें, रेल लाइनें और अनियोजित निर्माण बढ़ते रहे तथा विकास में पारिस्थितिकी उपेक्षित रही, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी प्रकृति का असंतुलन नहीं रोक सकेगी। वैश्विक अनुभव बताता है कि मानव-वन्यजीव संघर्ष वहीं घटा, जहाँ प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहे, वन गलियारे पुनर्जीवित हुए और स्थानीय समुदाय संरक्षण के साझेदार बने।

इसलिए कोयंबटूर मॉडल की सफलता तकनीक नहीं, बल्कि प्राकृतिक आवासों के संरक्षण, वैज्ञानिक योजना और संतुलित विकास पर निर्भर करेगी। किसी भी संरक्षण मॉडल की सफलता योजनाओं से नहीं, बल्कि दृढ़ राजनीतिक संकल्प और सतत क्रियान्वयन से तय होती है। प्रशासनिक तत्परता तभी सार्थक है, जब योजनाओं को निरंतर वित्तीय सहयोग, नियमित निगरानी और स्पष्ट जवाबदेही मिले; अन्यथा वे कागजों तक सिमट जाती हैं।

टीबी समझकर शुरू कर दी दवा, जांच में निकली दूसरी बीमारी

लखनऊ।
केवल एक्स-रे और लक्षणों के आधार पर टीबी (क्षय रोग) का इलाज शुरू करना मरीजों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। राजधानी के सिविल अस्पताल में रोजाना ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं, जहां मरीजों को टीबी न होने के बावजूद उसकी दवाएं दी जा रही हैं जबकि कई वास्तविक टीबी मरीजों का इलाज दूसरी बीमारियों के नाम पर चलता रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीबी की पुष्टि के लिए एक्स-रे के साथ बलगम जांच, सीबी-नॉट, जीन एक्सपर्ट, सीटी स्कैन और मरीज की चिकित्सीय पृष्ठभूमि जरूर पता करनी चाहिए।

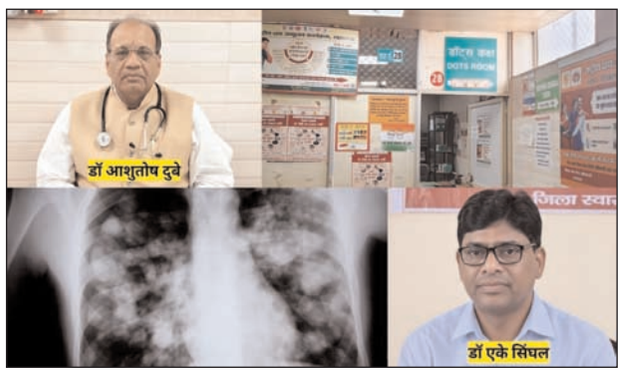

एक्स-रे के भरोसे टीबी का इलाज खतरनाक
राजधानी के अहिमामऊ निवासी 46 वर्षीय प्रेमचंद को लगातार खांसी, सांस फूलने और वजन घटने की शिकायत पर एक निजी चिकित्सक ने एक्स-रे में धब्बे देखकर टीबी की दवा शुरू कर दी। एक सप्ताह तक दवा लेने के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ। बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में विस्तृत जांच के दौरान पता चला कि उन्हें टीबी नहीं, बल्कि फेफड़ों में गांठ (लंग नोड्यूल) की समस्या है। इसके बाद टीबी की दवा बंद कर दी गई।

30 प्रतिशत मामलों में एक्स-रे गलत
सिविल अस्पताल के वरिष्ठ क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे के अनुसार, एक्स-रे में दिखाई देने वाला हर धब्बा टीबी का कारण नहीं होता। फेफड़ों का कैंसर, गांठ, अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस और टीबी के एक्स-रे कई बार एक जैसे दिखाई देते हैं। लगभग 30 प्रतिशत मामलों में केवल एक्स-रे के आधार पर किया गया आकलन गलत साबित होता है। इसलिए जरूरी जांच के बाद टीबी की पुष्टि होने पर ही इलाज शुरू किया जाना चाहिए।

90 प्रतिशत मरीज हो रहे ठीक
डॉ. दुबे ने बताया कि सिविल अस्पताल में हर महीने 150 से 200 नए टीबी मरीज और 2 से 3 मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) टीबी के मामले सामने आते हैं। उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष 15 से 17 हजार एमडीआर टीबी के मरीज मिलते हैं। हालांकि समय पर पहचान, जांच और इलाज के कारण टीबी से ठीक होने की दर अब 90 प्रतिशत अधिक हो चुकी है और प्रति लाख आबादी पर मरीजों की संख्या भी घटकर 200 से नीचे पहुंच गई है।

एक टीबी मरीज 15 लोगों को कर सकता है संक्रमित
उन्होंने बताया कि एक अनुपचारित टीबी मरीज प्रतिवर्ष 15 अन्य लोगों को संक्रमित कर सकता है। यदि मरीज बीच में दवा छोड़ देता है तो एमडीआर टीबी विकसित हो सकती है। एमडीआर का इलाज भी अधूरा छोड़ दिया जाए तो एक्सडीआर टीबी जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है, जिसका इलाज करीब दो वर्ष तक चलता है।

इन जीवाणुओं पर दवाएं बेअसर
क्षय रोग विशेषज्ञ ने बताया कि टीबी के जीवाणु चार तरह के होते हैं। रेपिड ग्रोवर्स (तेजी से बढ़ने वाले), इन्फ्रासेलुलर (कोशिका के भीतर) सेल वॉल (कोशिका भित्ति पर) और डारमेंट ग्रुप आफ बेसिलाई (सुप्त जीवाणुओं का समूह)। दवाओं से पहले तीन तरह के जीवाणु मर जाते हैं, लेकिन चौथे पर दवाएं बेअसर हो जाती हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर ये जीवाणु सक्रिय होकर पनपने लगते हैं।

छह महीने तक जिंदा रहता है टीबी का जीवाणु
उन्होंने बताया कि टीबी का जीवाणु बंद, अंधेरे और नम वातावरण में छह महीने तक सक्रिय रह सकता है, जबकि धूप में भी लगभग एक महीने तक जीवित रहता है। टीबी का संक्रमण मरीज के खांसने या छींकने से निकलने वाली संक्रमित बूंदों के जरिए हवा में फैलता है।

इन जिलों में टीबी के सबसे ज्यादा मरीज
डॉक्टर का कहना है कि उत्तर प्रदेश में आगरा, फिरोजाबाद, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ और प्रयागराज में टीबी के सबसे अधिक मामले दर्ज किए जाते हैं।

बीमारी दूसरी, दवा टीबी की
विशेषज्ञों के अनुसार, कई बार सही और पर्याप्त जांच के बिना मरीजों को टीबी की दवाएं शुरू कर दी जाती हैं, जबकि उन्हें बीमारी होती ही नहीं। वहीं, टीबी के मरीजों का दूसरी बीमारी समझकर इलाज चलता रहता है। ऐसे मामलों में कैंसर और आईबीएस के मरीजों को भी टीबी की दवाएं दिए जाने की बात सामने आई है।

लोहिया संस्थान में ईबीयूएस से टीबी की सटीक जांच
डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की पहचान के लिए अत्याधुनिक एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) तकनीक से जांच सुविधा शुरू हो चुकी है।

श्वसन रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वर्मा ने बताया कि ईबीयूएस के जरिए रोगी के मुंह के रास्ते एक पतली ट्यूब डालकर फेफड़ों के अंदर की लाइव तस्वीरें देखी जाती हैं।

संतों ने बैठक कर श्रीरामजन्मभूमि में सामने आये चोरी के प्रकरण को लेकर देशभर में फैले दुष्प्रचार का पुरजोर प्रतिवाद किया

अयोध्या।
श्री राम सत्संग भवन धर्म मंडपम, मणिराम दास छावनी में सन्त मण्डल अयोध्या धाम की संगोष्ठी गुरुवार को संपन्न हुई। संगोष्ठी के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मंच संचालन - महन्त श्री रामानन्द दास जी महाराज ने किया।

संचालन करते हुए महन्त डॉ रामानन्द दास जी ने कहा कि योगी जी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बना दिया। उनके कारण पूरे देश में अयोध्या का सम्मान बढ़ा है। प्रत्येक समाज में अच्छे-बुर लोग होते हैं। श्रीरामजन्मभूमि के एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रसंग का दुष्प्रचार कर-के राजनैतिक लोगों ने देशभर भर में भ्रम फैला दिया है। परन्तु गोस्वामी जी ने कहा है कि संत हंस गुन गहहिं पय, परिहरि बारि बिकार। सन्त जन नीर-क्षीर विवेक से जल का त्याग करके दुग्ध ग्रहण करते हैं। आज विरोधी तत्वों को अयोध्या और देश का विकास अच्छा नहीं लग रहा है। वे भांति-भांति के उपद्रव करते हैं। महापुरुष ऐसी शक्तियों को सफल नहीं होने देंगे। आगामी चुनाव में भी वे इन षडयन्त्रों को विफल करेंगे।

प्रस्तावना : अधिकारी श्री राजकुमारदसमी जी महाराज
अयोध्या धाम सप्तपुरियों में प्रथम मोक्षदा पुरी है। श्री अयोध्या धाम सात मोक्षदा पुरियों में मुख्यतम है। यह केवल आध्यात्मिक ही नहीं अपितु मानवीय आदर्शों का भी केन्द्र है। सन्त के इसके अनादिसिद्ध प्रक्ता हैं। अयोध्या के पूज्य सन्त ही अयोध्या के गौरव के प्रमाण हैं। हमें अपनी पूवार्चार्य-परम्परा के अनुरूप अपने इष्ट-धाम के गौरव बोध के लिए सतत सजग रहना ही चाहिये। यह कितना आश्चर्यजनक एवं त्रासद है कि जिनकी व्यवस्था में चोरी हुई, जो इस दुर्घटना के पीड़ित हैं, उन्हें ही अपराधी बनाने का खेल चल पड़ा।

यह वास्तव में श्रीराममन्दिर से संगठित और एकात्म हुए हिन्दू समाज की आस्था को छलने का दुष्चक्र था, जिसमें विपक्षियों को काफी सफलता भी प्राप्त हुई। क्योंकि इस दुष्प्रचार को रोकने में हम-आप वैसे सक्रिय नहीं हो सके, जैसे विरोधी हुए। अभद्र टिप्पणियां, व्यक्तिगत लांछन तथा निराधार आरोपों के बवंडर ने सहज श्रद्धा को तार-तार करने का काम किया। हमें समझना होगा कि यह आन्दोलन चोरी के विरुद्ध नहीं, बल्कि श्रीराम मन्दिर से निर्मित हुई धार्मिक-सांस्कृतिक एकजुटता के विरुद्ध है। देश-दुनिया में बसे भारत-भाव के शत्रु हमारी धार्मिक-सांस्कृतिक अस्मिता को आहत करने के लिए संसद से सड़क तक सक्रिय हैं। वास्तव में यह हमारे सचेत होने का समय है। उन्होंने तुलसीदास जी के कथन का उल्लेख करते हुए कहा- जाके प्रिय न राम वैदेही, तजिये ताहि कोटि बैरी सम जद्यपि परम सनेही।

अपने सम्बोधन में महन्त राघवेश दासजी महाराज ने कहा आज के दौर में कुछ षडयन्त्रकारी श्रीराम मन्दिर पर कुचक्र चला रहे हैं। वो लोग कभी कल्पना नहीं करते थे कि कभी श्रीराम मन्दिर का निर्माण होगा, लेकिन विहिप एवं आरएसएस के अथक प्रयत्न से सफल हुआ।

महिला से प्रेम संबंध को लेकर दो लोगों में खूनी संघर्ष, एक की मौत

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना कासना क्षेत्र के सिरसा गोल चक्कर के पास एक कंपनी में काम करने वाले दो व्यक्तियों के बीच एक महिला से प्रेम संबंध को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। इस घटना में एक युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दुसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक के परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि 24 जुलाई की देर रात को पुलिस को सूचना मिली कि सिरसा गोल चक्कर के पास सर्विस रोड पर दो व्यक्तियों में विवाद हो गया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की तो पता चला कि दोनों व्यक्तियों ने एक दूसरे के ऊपर धारदार हथियार से हमला किया था। जिन्हें उपचार के लिए आसपास के लोगों द्वारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान डॉक्टरों ने सुरेश उम्र 32 वर्ष मूल निवासी जनपद बरेली को मृत घोषित कर दिया, जबकि नरेश उम्र 40 वर्ष उपचाराधीन है। उन्होंने बताया कि आज सुबह मृतक के परिजनों ने थाने में पहुंचकर घटना की शिकायत की है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि नरेश का सिरसा गांव में रहने वाली एक महिला (27 वर्ष) के साथ करीब 6 वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों एक दूसरे से मिलते जुलते थे और बातचीत करते थे। कुछ दिन से महिला ने नरेश से बात करना बंद कर दिया था, तथा उसकी बातचीत सुरेश से होने लगी थी। नरेश और सुरेश एक ही कंपनी में काम करते थे।

महिला से बातचीत को लेकर दोनों में बीती रात को सिरसा गोल चक्कर के पास विवाद हुआ। इसके बाद दोनों ने एक साथ बीयर पी।

झांसी में रेस्टोरेंट के अंदर प्रधान पुत्र की गोली मारकर हत्या

दोस्तों संग खाना खाते समय काले कपड़े पहने बदमाश ने दिया वारदात को अंजाम

झांसी।
उत्तर प्रदेश में झांसी जिले में स्थित पॉश इलाके के इलाइट चौराहा स्थित द मेड किचन रेस्टोरेंट में गुरुवार की रात महिला प्रधान के बेटे के सिर में सटाकर गोली मार दी। वारदात उस समय हुई, जब वह अपने चार दोस्तों के साथ खाना खा रहा था। घटना के बाद हमलावर पार्किंग में पहले से बाइक लेकर खड़े अपने साथी के साथ फरार हो गया। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां देर रात करीब एक बजे इलाज के दौरान

उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले के खुलासे के लिए एसओजी समेत तीन टीमें गठित कर दी हैं।

मृतक की पहचान गरौठा थाना क्षेत्र के हैवतपुरा गांव निवासी संजय सिंह उर्फ संजू (33) के रूप में हुई। उसकी मां रामदेवी गांव की प्रधान हैं। संजय अविवाहित था और पिछले छह वर्षों से झांसी में रहकर एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। साथ ही कचहरी में अधिवक्ता दशरथ सिंह के यहां मुंशी का काम करता था।

संजय के दोस्त शिवम ने बताया कि गुरुवार शाम वह एडवोकेट दशरथ सिंह और उनके मित्र एडवोकेट नारायण ओझा के साथ दतिया स्थित पीतांबरा पीठ दर्शन के लिए गया था। लौटते समय सभी लोग इलाइट चौराहा स्थित द मेड किचन रेस्टोरेंट में भोजन करने पहुंचे। संजय ने अपने मित्र धर्मेंद्र को भी वहीं बुला लिया। पांचों लोग खाना लगभग खत्म कर चुके थे, तभी काले कपड़े पहने एक युवक रेस्टोरेंट के अंदर आया और संजय के सिर पर तमंचा सटाकर गोली मार दी।

गोली चलने से रेस्टोरेंट में अफरा-तफरी मच गई। आरोपित तमंचा लहराते हुए बाहर भागा। पार्किंग में मौजूद गार्ड ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह बिना नंबर की बाइक पर सवार अपने साथी के साथ फरार हो गया। दोस्तों ने गंभीर रूप से घायल संजय को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

लिफ्ट मांगकर युवक को लूटने की कोशिश, विरोध पर तमंचे से फायरिंग, दो आरोपित गिरफ्तार

कानपुर।
सचेण्डी थाना क्षेत्र में गुरुवार को बाइक से जा रहे एक युवक से लूट का प्रयास किया गया। विरोध करने पर एक आरोपित ने तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और दोनों आरोपितों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

कटवा गांव निवासी आशीष अपनी बाइक से ससुराल जा रहे थे। रास्ते में दो युवकों ने लिफ्ट मांगी, जिस पर उन्होंने दोनों को बाइक पर बैठा लिया। किसान नगर के पास पहुंचने पर आरोपितों ने लघुशंका का बहाना बनाकर बाइक रुकवाई। इसके बाद दोनों ने युवक से लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर एक आरोपित ने तमंचे से हवाई फायर कर दिया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों ने दोनों आरोपितों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची सचेण्डी पुलिस ने दोनों को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया।

डीसीपी पश्चिमी एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। घटना में प्रयुक्त तमंचे की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छत से गिरने के बाद घायल महिला ने तोड़ा दम

मीरजापुर।
जमालपुर थाना क्षेत्र के भदावल गांव में छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई 23 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, वाराणसी में मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

परिजन के अनुसार गुरुवार तड़के करीब चार बजे पिंकी सिंह नींद से उठने के बाद छत के बारजे के पास पहुंची। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह आंगन में गिर गई। गंभीर रूप से घायल होने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई।

मृतका के पति राजबहादुर सिंह ने बताया कि पिंकी पिछले छह माह से मानसिक बीमारी का उपचार करा रही थी। वह अपने पीछे तीन वर्षीय पुत्री श्रेया और छह माह की श्रेयांशी को छोड़ गई है। राजबहादुर खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।

युवक की मौत मामले में छह दोषियों को आठ साल की सजा

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ थाना क्षेत्र में घर में घुसकर मारपीट करने और उपचार के दौरान घायल की मौत के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी-द्वितीय) की अदालत ने गुरुवार को छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को आठ वर्ष के कठोर कारावास तथा 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। सभी आरोपियों पर कुल 60 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

एडीजीसी रामबाबू अवस्थी ने गुरुवार को बताया कि राठ थाना में 27 मार्च 2024 को धारा 452, 304/34, 323/34, 504 व 506 आईपीसी के तहत लक्ष्मण, सर्वेश, राहुल, विपिन, अमित कुमार और अन्नू उर्फ ब्रजेन्द्र निवासी ग्राम औंता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि सभी ने एक राय होकर वादी के घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी थी। घटना में घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। यह मामला पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित किया गया था। प्रभावी पैरवी और समयबद्ध साक्ष्य के आधार पर 23 जुलाई 2026 को अदालत ने सभी छह आरोपियों को दोषसिद्ध कर प्रत्येक को आठ वर्ष के कठोर कारावास एवं 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने की, जबकि अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी रामबाबू अवस्थी ने प्रभावी पैरवी की।

बांदा में करंट लगने से गार्ड और बेटे की मौत

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में शहर के कालूकुआं स्थित सिटी गार्डन में गुरुवार देर रात करंट लगने से गार्ड और उसके बेटे की मौत हो गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान सिटी गार्डन में गार्ड के पद पर कार्यरत बाबूलाल (55) और उनके पुत्र धीरू(30)के रूप में हुई है। बाबूलाल सिटी गार्डन परिसर में बने एक कमरे में रहते थे। गुरुवार को उनका बेटा धीरू उनसे मिलने आया था।

ड्यूटी पर जा रहे होमगार्ड को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर,वाहन छोड़ फरार हुए सवार

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के देवरिया में तरकुलवा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात ड्यूटी पर जा रहे एक होमगार्ड सड़क हादसे का शिकार हो गया। तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक भागने की कोशिश में कुछ दूर जाकर वाहन से नियंत्रण खो बैठा। कार तीन से चार बार पलटने के बाद सड़क पर सीधी खड़ी हो गई। इसके बावजूद कार में सवार सभी लोग वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को

कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

थानेदार भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि गोपालपुर गांव निवासी 45 वर्षीय उमेश यादव पुलिस विभाग में होमगार्ड के पद पर तैनात हैं। वर्तमान में उनकी ड्यूटी रामपुर कारखाना क्षेत्र की पीआरबी में लगी हुई है। गुरुवार देर रात वह अपनी बाइक से ड्यूटी पर जाने के लिए निकले थे। जैसे ही वह तरकुलवा थाना क्षेत्र के कोंहवलिया मोड़ के पास पहुंचे, पीछे से तेज गति से आ रही एक कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उमेश यादव सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन कुछ ही दूरी पर स्थित अंधे मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार के कारण कार तीन से चार बार पलटी खाने के बाद सड़क पर सीधी खड़ी हो गई। दुर्घटना के बाद कार में सवार सभी लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल होमगार्ड को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है। वाहन के पंजीकरण नंबर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार चालक एवं कार सवारों की पहचान की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों का जल्द पता लगाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बांदा के मोहम्मद अर्श ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा के होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी मोहम्मद अर्श ने चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित योनैक्स-सनराइज अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर पुरुष युगल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

देशभर के शीर्ष खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मोहम्मद अर्श ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत और पूरे जनपद में खुशी की लहर है।

खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और जनपदवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मोहम्मद अर्श के पिता मो. अशफाक बांदा शहर के बलखंडी नाका क्षेत्र के निवासी हैं और फैशन टेलर का कार्य करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अर्श ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

जिला बैडमिंटन संघ, बांदा के अध्यक्ष सीरजध्वज सिंह, सचिव काजी जमीर अहमद, बांदा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रामेंद्र शर्मा, महासचिव डॉ. इन्द्रवीर सिंह जादौन, मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना तथा वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक प्रदीप कुमार ने मोहम्मद अर्श को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

मोहम्मद अर्श की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। उनका चयन 28 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक फिलीपींस में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है, जहां वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नायब तहसीलदार को फोन पर मिली जानमाल की धमकी

दो नामजद व तीन अज्ञात समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज कराई

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे सरीला तहसील में तैनात नायब तहसीलदार को फोन पर भद्दी-भद्दी गालियां देने और जानमाल की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित अधिकारी की तहरीर के आधार पर गुरुवार को पुलिस ने मौदहा कस्बा निवासी दो नामजद और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरीला तहसील के नायब तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता को आरोपियों ने फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार ने तत्काल मौदहा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कस्बा निवासी जमीरउद्दीन पुत्र खलीलुद्दीन, खलीलुद्दीन पुत्र हमीरुद्दीन तथा तीन अन्य अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया है। सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने गुरुवार को शाम बताया कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस और अंतर्जनपदीय बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो घायलों समेत चार गिरफ्तार

उरई।
कदौरा थाना क्षेत्र में पुलिस और अंतर्जनपदीय शातिर बदमाशों के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई, जबकि दो अन्य बदमाशों को पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए चारों आरोपित चोरी की कई घटनाओं में शामिल बताए जा रहे हैं और उनके खिलाफ विभिन्न जनपदों में दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला एक गिरोह कदौरा-हमीरपुर हाईवे के खुटमिली लिंक मार्ग से गुजर रहा है। सूचना

मिलते ही कदौरा थाना पुलिस और अन्य पुलिस टीमों ने इलाके में घेराबंदी कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हमीरपुर जिले के निवासी रिंकू राजपूत और हिस्ट्रीशीटर राघवेंद्र राजपूत के पैर में गोली लग गई। वहीं, शैलेंद्र यादव और अंकित राजपूत को पुलिस ने घेराबंदी कर बिना किसी चोट के गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाशों को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक विनय सिंह के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के दौरान बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, चार जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस, पांच मोबाइल फोन तथा चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। इसके अलावा वारदातों में इस्तेमाल की जाने वाली एक कार भी पुलिस ने मौके से कब्जे में ले ली है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी विभिन्न जनपदों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। हिस्ट्रीशीटर राघवेंद्र राजपूत समेत गिरोह के सदस्यों के खिलाफ चोरी, लूट, अवैध हथियार रखने और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि कदौरा थाना क्षेत्र के खुटमिली लिंक मार्ग पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है।

रुपए को स्थिर रखने के लिए आरबीआई ने बेचे अरबों डॉलर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई महीने में विदेशी मुद्रा हाजिर बाजार में 6 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। यह कदम कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये में आने वाली अस्थिरता को रोकने और उसे स्थिर बनाए रखने के लिए उठाया गया। आरबीआई के इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप, मई में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मात्र 0.1 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जो केंद्रीय बैंक के प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मई में आरबीआई ने कुल 22.2 अरब डॉलर बेचे, जबकि 16.2 अरब डॉलर खरीदे, जिससे शुद्ध बिक्री 6 अरब डॉलर रही। इससे पहले, अप्रैल में भी रिजर्व बैंक ने 8.95 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। फॉरवर्ड बाजार में भी, मई के अंत तक आउटस्टैंडिंग नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन अप्रैल के 95.3 अरब डॉलर से बढ़कर 106.7 अरब डॉलर हो गई है, जो रुपये के प्रबंधन में आरबीआई की बहुआयामी रणनीति को उजागर करता है।

अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों के कारोबार के लिए श्रीराम ऑटोमॉल से की साझेदारी

दोनों कंपनियां ग्राहकों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करने पर देंगी जोर

नई दिल्ली ।

प्रमुख वाहन निर्माता अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों (सीवी) के बाजार को पुनर्गठित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (एसएएमआईएल) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, जिसका उद्देश्य प्रमाणित पुरानी सीवी के लिए एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। इस साझेदारी के तहत, अशोक लेलैंड और श्रीराम ऑटोमॉल मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार करेंगे जहां देशभर के ग्राहक अधिक भरोसे और सुविधा के साथ विश्वसनीय तथा गुणवत्ता-सुनिश्चित परिवहन समाधान प्राप्त कर सकें। इसका सीधा लाभ उन ग्राहकों को मिलेगा जो पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियाँ खरीदने या बेचने की तलाश में हैं। अशोक लेलैंड के हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) कारोबार के प्रमुख विप्लव शाह ने बताया कि इस गठबंधन का लक्ष्य वाणिज्यिक वाहन उद्योग में अशोक लेलैंड की विशेषज्ञता और पुरानी गाड़ियों के क्षेत्र में श्रीराम ऑटोमॉल के मजबूत नेटवर्क एवं ग्राहक आधार को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा` कि हमारा उद्देश्य ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करना और उन्हें एक निर्बाध स्वामित्व अनुभव प्रदान करना है। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के एक अे धिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को एक पारदर्शी, कुशल और भरोसेमंद मंच मुहैया कराना है। इससे देशभर में पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों की खरीद-बिक्री की प्रक्रिया सरल होगी और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा, जिससे बाजार में विश्वास बढ़ेगा।

एशियाई बाजारों में अच्छी बढ़त

मुंबई।

एशियाई शेयर बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। निवेशकों को उम्मीद है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते वैश्विक निवेश का फायदा चिप बनाने वाली कंपनियों को मिलेगा। जापान का निक्केई 225 करीब 0.99 प्रतिशत मजबूत रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 3.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिलाजुला रुख लेकर बंद हुए। डाओ जोंस में 0.01 प्रतिशत की हल्की गिरावट रही। एसएंडपी 500 0.14 प्रतिशत फिसला। टेक शेयरों पर दबाव के चलते नेस्डेक कम्पो जिट 0.57 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,900 के नीचे फिसला

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने कमजोर शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 100 अंक गिरकर 23,896.50 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स 302 अंक की गिरावट के साथ 76,453.42 के स्तर पर रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव रहा, जहां निफ्टी मिडकैप 0.54 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.75 फीसदी नीचे रहे। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी फार्मा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी हेल्थकेयर सबसे कमजोर रहे, वहीं निफ्टी एफएमसीजी और ऑटो ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक फीसदी तक लुढ़क गए। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक गिरकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 828.92 अंक तक गिरकर 76,641.19 अंक पर आ गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 191.45 अंक या 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

अल्ट्राटेक सीमेंट की एनसीडी जारी कर 5,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

अल्ट्राटेक सीमेंट की निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर बाजार से 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की वित्त समिति ने एक लाख रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम पांच लाख गैर-परिवर्तनीय, गैर-संचयी ऋणपत्र जारी कर धन जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि ऋणपत्र की अवधि, कूपन दर और विभिन्न किश्तों में निर्गम के कार्यक्रम का ब्योरा बाद में जारी किया जाएगा। अल्ट्राटेक सीमेंट 20.55 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की ग्रे सीमेंट क्षमता और 32 लाख टन प्रतिवर्ष सफेद सीमेंट एवं पुट्टी क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है।कंपनी चालू वित्त वर्ष में केबल और तार कारोबार में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है।

सोने का भाव 473 रुपए गिरा और चांदी में 462 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सोने का भाव 473 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे आया, जबकि चांदी भी 462 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं की चमक फीकी पड़ी है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव बना। एमसीएक्स पर सोना 473 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी का भाव भी 462 रुपये गिरकर 2,26,536 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,131 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है, जबकि चांदी 0.26 प्रतिशत की कमी के साथ 60.18 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से सोना करीब 3 फीसदी चढ़कर 4,130 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास मजबूत हुआ था। वहीं देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है।

होंडा जल्द ही नई फ्लैगशिप एसयूवी जेडआर-वी हाइब्रिड करेगी लांच

नई दिल्ली।

जल्द ही होंडा भारतीय बाजार में अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी, जेडआर-वी हाइब्रिड, लॉन्च करने वाली है। यह लग्जरी एसयूवी होंडा को एक नए और महंगे सेगमेंट में स्थापित करेगी। जुलाई 2026 में इसकी कीमतों की घोषणा की जाएगी। इसी महीने से डिलीवरी भी शुरू हो जाएगी, जिसकी बुकिंग मई 2026 से जारी है। यह एसयूवी सीबीयू रूट के माध्यम से विदेश से आयात की जाएगी, जिससे इसकी सीमित उपलब्धता होगी। भारतीय मार्केट में इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसका सीधा मुकाबला फॉक्सवैगन टिगुआन, स्कोडा कोडियाक और जीप मेरिडियन जैसी प्रीमियम एसयूवी से होगा। जेडआर-वी हाइब्रिड में 2.0-लीटर चार-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ डुअल-मोटर हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो कुल 184बीएचपी की पावर और 315 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। होंडा का दावा है कि यह एसयूवी मात्र 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है

और 22.80 किमी/लीटर का बेहतरीन माइलेज देगी। इसकी टॉप स्पीड 172 किमी/घंटा है। इसके मॉडर्न केबिन में 9-इंच का इंफोटेनमेंट डिस्प्ले (वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ) और 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। अन्य प्रीमियम फीचर्स में पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग, पावर्ड फ्रंट सीट्स और 12-स्पीकर बोस ऑडियो सिस्टम शामिल हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 8-एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और लेवल-2 अडास जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं।

विदेशी बैंकों ने ब्याज दर कटौती का सर्वाधिक लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया- आरबीआई

कर्ज और जमा दरों में सार्वजनिक व निजी बैंकों से अधिक कटौती, आरबीआई बुलेटिन में हुआ खुलासा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दरों में कटौती का सबसे अधिक फायदा ग्राहकों को विदेशी बैंकों ने पहुंचाया है। आरबीआई के मासिक बुलेटिन के जारी होने के बाद यह जानकारी सामने आई कि विदेशी बैंकों ने मौजूदा ब्याज दर कटौती चक्र के दौरान सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में ऋण और जमा, दोनों पर ब्याज दरों में अधिक कमी की। आरबीआई के अनुसार विदेशी बैंकों ने मौद्रिक नीति में नरमी के दौर में ग्राहकों तक राहत पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। रुपए में लिए गए नए कर्ज पर भारित औसत ब्याज दर में विदेशी बैंकों ने 1.24 प्रतिशत की प्रभावशाली कटौती की।

, जबकि निजी बैंकों ने 1.08 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल 0.66 प्रतिशत अंक की कमी की। बकाया ऋणों पर भी विदेशी बैंक सबसे आगे रहे, उन्होंने ब्याज दरों में 1.20 प्रतिशत की कटौती की, जबकि निजी और सार्वजनिक बैंकों की कटौती क्रमशः 0.98 प्रतिशत और 0.81 प्रतिशत रही। जमा दरों के मामले में भी यही रुझान देखा गया। नए घरेलू सावधि जमा पर विदेशी बैंकों ने 0.91 प्रतिशत की कमी की, जो निजी बैंकों (0.74 प्रतिशत) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (0.73 प्रतिशत) से अधिक है। इसी तरह, मौजूदा जमा पर भी विदेशी बैंकों ने 0.90 प्रतिशत की कटौती की।

यह निजी बैंकों की 0.46 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 0.53 प्रतिशत की कटौती से काफी अधिक है। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत अंक की कमी की है, जिसका लाभ विदेशी बैंकों ने ग्राहकों तक पहुंचाने में बेहतर प्रदर्शन किया।

अमेरिका भारत समेत 60 व्यापार साझेदारों पर जल्द करेगा कार्रवाई: ग्रीर

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने बंधुआ मजदूरी से जुड़े आयात के मुद्दे पर भारत समेत अपने 60 प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने घोषणा की है कि वह धारा 301 जांच के तहत अंतिम कार्रवाई उपाय जल्द ही जारी करेगा, जिससे इन देशों को अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने सीनेट की वित्त समिति को बताया कि शीर्ष 60 व्यापारिक साझेदार बंधुआ मजदूरी से तैयार उत्पादों के आयात पर प्रतिबंधों को अपनाने और प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं। ग्रीर ने संकेत दिया कि यूएसटीआर गुरुवार को धारा 301 जांच पर अंतिम कार्रवाई की घोषणा कर सकता है। इससे पहले, यूएसटीआर कार्यालय ने इस मुद्दे पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था, जिस पर व्यापक जनसुनवाई और 1,600 से अधिक टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

भारत ने अमेरिकी सरकार की इन जांचों का विरोध करते हुए कहा है कि ऐसे मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत चर्चा की जानी चाहिए, जिस पर बातचीत जारी है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है, और 2025 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार लगभग 141 अरब डॉलर रहा।

ग्रामीण महिलाओं की बेरोजगारी एक साल के उच्चतम स्तर पर

जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी 5 फीसदी हुई; बोआई में देरी और अल नीनो बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली।

कमजोर मॉनसून और खरीफ की बोआई में हुई देरी के चलते जून में ग्रामीण भारतीय महिलाओं की बेरोजगारी दर कम से कम एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर 5.9 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का दबाव सर्वाधिक रहा। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी दर एक साल पहले के 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी महिला बेरोजगारी 8.4 प्रतिशत रही, जो हालांकि पिछले साल से कम है, पर ग्रामीण दर से अब भी काफी अधिक है। इस दौरान ग्रामीण महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में भी 1.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 35.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.6 प्रतिशत हो गई। यह दर्शाता है कि अधिक महिलाएं काम की तलाश में निकली हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल पा रहा है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत कई वर्षों में सबसे कमजोर रही। मौसम विभाग के अनुसार, जून के पहले तीन हफ्तों में पूरे भारत में औसत से लगभग 42 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जिसके कारण खरीफ की बोआई काफी पिछड़ गई। 10 जुलाई तक बोआई का रकबा पिछले साल की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत कम था, हालांकि 17 जुलाई तक बारिश में सुधार से यह अंतर घटकर 6.04 प्रतिशत रह गया।

भारतीय हाई-टेक सेक्टर में वीसी फंडिंग को मिली रफ्तार चिप

सेमीकंडक्टर और स्पेस स्टार्टअप में वीसी फंडों का बढ़ा रुझान

नई दिल्ली ।

भारत के उच्च-तकनीकी क्षेत्र-चिप, सेमीकंडक्टर डिजाइन और अंतरिक्ष में वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुरुआती सुस्ती के बावजूद, सरकार के प्रोत्साहन और बदलती नीतियों के साथ, इस साल इन सेक्टर्स में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार 2023 से वीसी फंडों ने भारतीय चिप और सेमीकंडक्टर कंपनियों में 29 फंडिंग राउंड में 16.21 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसमें औसत सौदे का आकार 55.8 लाख डॉलर रहा। इस साल अब तक 7.09 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है, जो पिछले वर्ष (5.37 करोड़ डॉलर) के मुकाबले तेजी से बढ़ा है। सरकार चिप डिजाइन स्टार्टअप्स में सह-निवेश (बिना नियंत्रण) की योजना बना रही है और नई सेमीकॉन 2 पॉलिसी भी घोषित कर चुकी है। वहीं स्पेस और सैटेलाइट सेक्टर में भी वीसी फंडिंग में तेजी आई है, हालांकि यह चिप डिजाइन सेक्टर से बेहतर है।

2023 से इस सेक्टर के स्टार्टअप्स को 89 राउंड में कुल 44.6 करोड़ डॉलर मिले हैं, जिसका औसत निवेश 50.1 लाख डॉलर प्रति राउंड रहा। इस वर्ष के शुरुआती सात महीनों में ही 10.07 करोड़ डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ था। स्काईरूट एयरोस्पेस की विक्रम-1 की सफल शुरुआत के बाद यह सेक्टर और सुर्खियों में है।

टीसीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पकड़ी रफ्तार

क्षमता विस्तार और मजबूत पोर्टफोलियो से कंपनी बनी मार्केट लीडर

नई दिल्ली ।

भारत का इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार अब स्टार्टअप कंपनियों के बजाय पारंपरिक ऑटो दिग्गजों के हाथ में आ रहा है। इस बदलाव की अगुवाई टीवीएस मोटर्स कर रही है, जो अब ईवी सेगमेंट में सबसे आगे निकल चुकी है। जून तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद, कई ब्रोकरेज फर्म टीवीएस को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा खिलाड़ी मान रहे हैं, जो बजाज आटो जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से आगे निकल रही है। भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में टीवीएस मोटर्स ने अपनी पकड़ तेजी से मजबूत की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टीवीएस फिलहाल देश के इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अग्रणी है। कंपनी का प्रदर्शन केवल ईवी तक सीमित नहीं है, बल्कि पेट्रोल स्कूटर, प्रीमियम मोटरसाइकिल और निर्यात बाजारों में भी मजबूत रहा है। टीवीएस इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए` वित्त वर्ष 27 तक दोपहिया उद्योग से बेहतर ग्रोथ की उम्मीद कर रही है। कंपनी लगभग 3500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि कर रही है। इसके तहत, दोपहिया वाहनों की सालाना क्षमता 68 लाख से बढ़ाकर 83 लाख और तीनपहिया वाहनों की क्षमता 2.5 लाख से 4.2 लाख यूनिट करने की योजना है। साथ ही, प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में नारटन ब्रांड के तहत नए मॉडल भी पेश किए जाएंगे। मोतीलाल ओसवाल ने टीवीएस के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,470 रुपए का लक्ष्य दिया है। उनका अनुमान है कि` वित्त वर्ष 26 से 28 के बीच कंपनी का राजस्व, ऐ बिटा और मुनाफा क्रमशः 20, 23 और 24 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज कर सकता है।

मारुति का कॉम्पैक्ट एसयूवी बना भारतीय पैसेंजर व्हीकल का सबसे बड़ा सेगमेंट

नई ब्रेजा की बुकिंग शुरू, 24 जुलाई को लॉन्चिंग

नई दिल्ली ।

भारत के तेजी से बढ़ते एसयूवी बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होने के साथ मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, ब्रेजा, की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। हाल ही मे अपडेटेड मॉडल की लॉन्चिंग से पहले, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता ने घोषणा की है कि नई ब्रेजा को किसी एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग के बजाय, एक व्यापक ग्राहक आधार को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह कदम ऐसे समय आया है जब पिछले 18 महीनों में ब्रेजा खरीदने वाले ग्राहकों की प्रोफाइल में बड़ा बदलाव देखा गया है, जिसमें पहली बार कार खरीदने वालों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत बढ़ी है। अब ब्रेजा के ग्राहक आधार में पहली बार कार खरीदने वाले, पुरानी कार बदलने वाले और अतिरिक्त कार खरीदने वाले ग्राहक, तीनों की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के बराबर है, जो इस बात का संकेत है कि कोई एक ग्राहक खंड अब प्रभावी नहीं है। मारुति सुजुकी इंडिया के मार्केटिंग एंड सेल्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस बदलाव पर जोर देते हुए कहा, अब हम सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं बना रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि युवा भारत क्या चाहता हैज फर्क मानसिकता से पड़ता है।

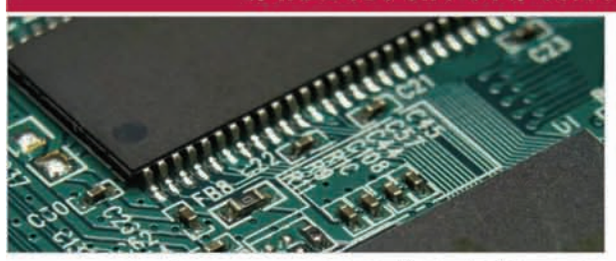

यह नया दृष्टिकोण उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और सोच को प्राथमिकता देता है, न कि पारंपरिक जनसांख्यिकीय आंकड़ों को।

कंपनी के आंतरिक शोध से पता चला है कि पिछले एक दशक में एंट्री-लेवल एसयूवी खरीदारों की सोच काफी बदली है। 2017 के बाद से ऐसे खरीदारों की संख्या में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उद्योग की वृद्धि दर से दोगुने से भी अधिक है। ग्राहकों की प्राथमिकताओं में भी बदलाव आया है; 2017 से 2025 के बीच परफॉर्मेंस को महत्व देने वालों की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी है, नई तकनीक को महत्व देने वालों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत बढ़ी है और बड़े बूट स्पेस की मांग दोगुनी हो गई है। यह रणनीति ऐसे समय में आई है जब कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट वित्त वर्ष 2016 के 5 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ भारत के पैसेंजर व्हीकल बाजार की सबसे बड़ी कैटेगरी बन चुका है।हालांकि, 2016 में लॉन्च होने के बाद ब्रेजा ने कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

अफगानिस्तान को मिला नया कप्तान

गुरबाज को भी अहम जिम्मेदारी; 55 में से 27 ODI जीत दिलाने वाले शाहिदी का युग समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम हाल ही में भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारकर गई थी। इस सीरीज में हार के कुछ दिन बाद ही अफगान टीम के वनडे व टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब उनकी जगह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार (22 जुलाई 2026) को वनडे व टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया है। राशिद खान को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और रहमत शाह नए कप्तान बन गए हैं। हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी अच्छा रहा। टीम ने इस दौरान अपना प्रदर्शन भी सुधारा। इसमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम का खेलना और कई शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं।

अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर शाहिदी ने यह पद छोड़ने का फैसला किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तान का ऐलान करते हुए शाहिदी का शुक्रिया भी अदा किया और कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड हशमतुल्लाह शाहिदी द्वारा टीम के लिए दी गई उपयोगी सेवाओं की सराहना करता है। साथ ही बोर्ड रहम शाह जुरमाती को अपने नए रोल और आने वाली चुनौती के लिए शुभकामनाएं देता है।

गुरबाज को बनाया गया उपकप्तान

रहमत शाह मई 2021 से अफगान टीम के उपकप्तान थे। वहीं वह टेस्ट और वनडे में अफगानिस्तान के लीडिंग रन स्कोरर भी हैं। शाह को कप्तान तो विकेटकीपर बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का वनडे और टेस्ट का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। शाह और गुरबाज की बतौर लीडर्स अगली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी जहां पांच वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स:

● अर्जुन एरिगैसी से खेला ड्रॉ

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली , एजेंसी। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलकर 4.5 अंकों के साथ चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

अंतिम दौर में ड्रॉ से पक्की की जीत

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। ऐसे में खिताब जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अब्दुसत्तोरोव की हार ने आसान किया रास्ता

दूसरी ओर, काले मोहरों से जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश कर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में मात दी। इस हार के बाद फिरूजा के लिए ड्रॉ ही खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था।

आंद्रेइकिन और अर्जुन संयुक्त दूसरे स्थान पर

दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की।

डूरंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं:

25 जुलाई से शुरू होगा 135वां संस्करण

कोलकाता, एजेंसी। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई। कोलकाता में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. इंद्रनील खान ने ट्रॉफियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ और डूरंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह समेत सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। कोलकाता में उद्घाटन मुकाबले के अलावा ग्रुप ए और बी के मैच, एक क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल 23 अगस्त को होगा। मंत्री डॉ. इंद्रनील खान ने कहा कि कोलकाता के लिए 16 मुकाबलों की मेजबानी गर्व की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के फुटबॉल प्रेमियों से उद्घाटन मुकाबले से लेकर फाइनल तक स्टेडियम पहुंचकर भारतीय खिलाड़ियों और टीमों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने कहा कि डूरंड कप भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और यह सैन्य-नागरिक साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, बंगाल सब एरिया के जीओसी और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वी कमान के अधीन डूरंड कप का विस्तार 2032 तक होना टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की एक विदेशी टीम भी शामिल है। कुल 43 मुकाबले पांच मेजबान शहरों-कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इम्फाल में छह मैदानों पर खेले जाएंगे। 1888 में शुरू हुआ डूरंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी सक्रिय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

जेनेराली ओपन: क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और

मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

किट्जबुहेल, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के किट्जबुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन वचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। वचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलां गैरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्जबुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से होगा। मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्जबुहेल खिताब भी शामिल है। अब उनका सामना जर्मनी के यानिक हनफमैन से होगा, जिन्होंने मार्को ट्रुंगेलिटी को 6-4, 7-6(2) से हराया। अन्य मुकाबलों में पांचवीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो ब्यूस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर किलियन फेल्डबॉश को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया।

वहीं चौथी वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने घरेलू खिलाड़ी और क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-2, 7-6(4) से मात देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

टीम इंडिया में नहीं मिला मौका...

अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर टी20 सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी. फिर इंग्लैंड टूर पर भी टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ था. इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हराया. फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज भी इंग्लिश टीम ने 2-1 से अपने नाम की. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो तीनों मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे. कुलदीप आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 टीम का पार्ट नहीं थे, लेकिन वनडे सीरीज के दौरान टीम में रहने के बावजूद उन्हें बाहर रखना चौंकाने वाला रहा. अब कुलदीप अब इंग्लैंड में नई शुरुआत करने जा रहे हैं.

कुलदीप ने प्रतिष्ठित काउंटी क्लब यॉर्कशायर के साथ अनुबंध किया है. क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की. कुलदीप यादव 24 जुलाई से 2 अगस्त तक यॉर्कशायर के लिए वन-डे कप के पांच मुकाबले खेलेंगे. इसके बाद वह भारत की दो टेस्ट मैचों की श्रीलंका सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे. श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद वह फिर इंग्लैंड लौटेंगे और यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम तीन मुकाबलों में भी खेलेंगे.

क्या नीरज नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड

● ओलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ओलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं।

भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे?

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों की फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा

सिडनी, एजेंसी। युवा खिलाड़ी सैम कॉन्स्टास और कैंपबेल केलावे को डार्विन में अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दौरे के लिए 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन' में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता भविष्य में टेस्ट मैचों में ओपनिंग करने वाले खिलाड़ियों के तौर पर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी और दो टेस्ट मैच खेल चुके कर्टिस पैटरसन को भी टीम में जगह मिली है, जिससे पता चलता है कि वे अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर अहम खिलाड़ी हैं। वहीं, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑफ-स्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भारत के आगामी 'ऑस्ट्रेलिया ए' और टेस्ट दौरों (जो क्रमशः सितंबर और जनवरी में होने हैं) के लिए तैयार किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन बनाम बांग्लादेश टीम इस प्रकार है: कैंपबेल केलावे, कैंपबेल थॉम्पसन, कोरी रोचिचिओली, हैनो जैकब्स, जेक डोरन, जेरसिस वाडिया, जोश फिलिप, कर्टिस पैटरसन, सैम कॉन्स्टास, टीग विली, टॉम मेंज़ीज़, टॉम रोजर्स, ज़ेवियर क्रोन, नूह मैकफैडेन।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्यूरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, टूना और ट्रॉट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इस गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिला पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्प पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मच्छरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3954

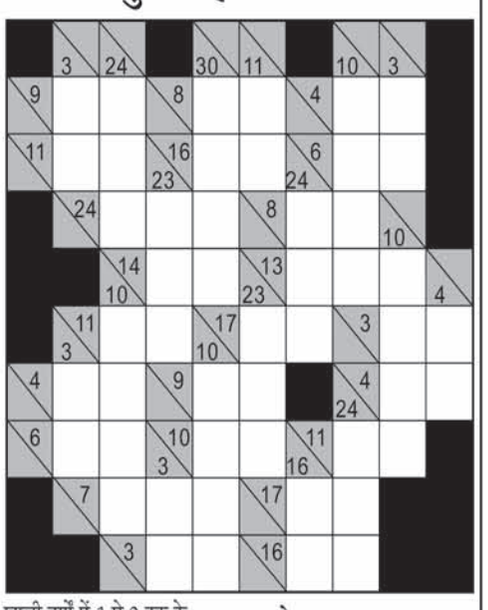

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

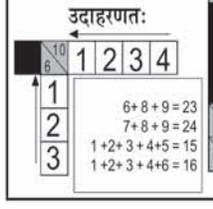

काकुरो - 3953 का हल

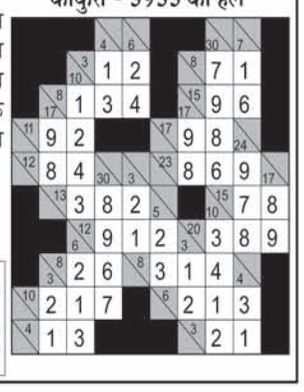

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3954

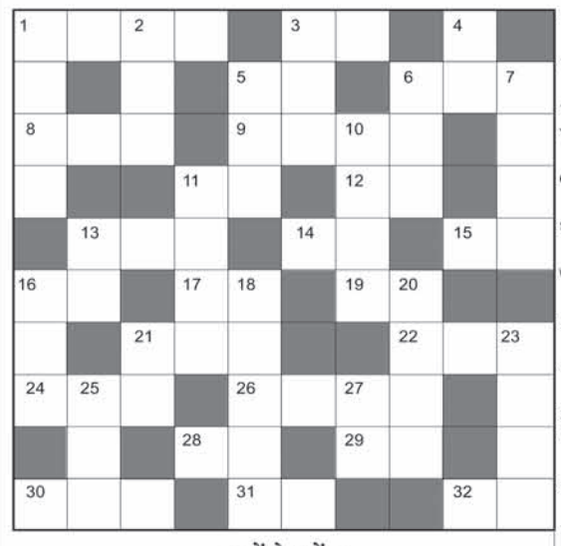

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	ह		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	मी		म		रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -3954

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3953 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3954

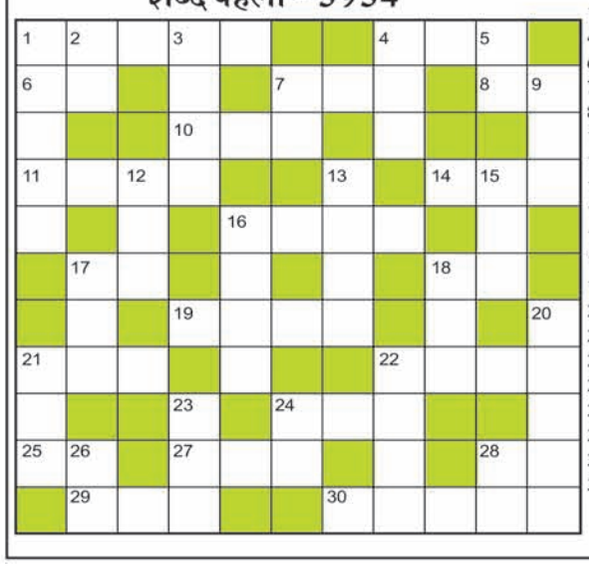

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3953 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		रू		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फों		ल	
न	ज	र	थ	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		ध		प
श	री	र		ज	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
ल	क्ष	शि	ला		र	ह	क	र	ना	

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी